

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 58 RNI/CHHBIL/44259 |छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

पणजी में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा - केंद्र सरकार ने 2029 तक देश को नशा-मुक्त बनाने की बनाई व्यापक रणनीति

पणजी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है कि नशा-मुक्त युवा शक्ति 2047 में 'विकसित भारत' का नेतृत्व करे तथा इस सिलसिले में केंद्र सरकार ने 2029 तक भारत को नशा-मुक्त बनाने के लिए एक प्रारूप तैयार किया है। शाह ने कहा कि विकसित भारत का सपना साकार करने के लिए मोदी सरकार देश को नशा-मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ठीक वैसे ही जैसे उसने नक्सलवाद और आतंकवाद की समस्या को खत्म करने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि 2029 तक 'मादक पदार्थ मुक्त भारत' के लक्ष्य के तहत केंद्र ने नशीले पदार्थों की तस्करी से लेकर वित्तपोषण एवं पीड़ितों के पुनर्वास तक समूचे मादक पदार्थ नेटवर्क को ध्वस्त करने की समन्वित राष्ट्रव्यापी रणनीति अपनाई है।



शाह ने यहां मादक पदार्थ पर एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद प्रेसवार्ता में कहा, "नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है कि नशा-मुक्त युवा शक्ति 2047 में विकसित भारत का नेतृत्व करे।" इस बैठक में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, गृह मंत्रालय के अधिकारी एवं राज्य

सरकार के सरकारी शामिल हुए। गृह मंत्री ने कहा, "2014 से पहले मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई अधिकतर छोटी इकाइयों द्वारा और अलग-थलग रहकर लड़ी जाती थी। एजेंसियां अवसर छोटे-मोटे आरोपियों को पकड़कर ही संतुष्ट हो जाती थीं।

हमारी सरकार इस लड़ाई को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से प्राथमिकता बना रही है।" शाह ने कहा, "सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में खास तौर पर मादक पदार्थ कार्यबल (एएनटीएफ) बनाए गए और स्थानीय पुलिस को राष्ट्रीय रणनीति से जोड़ा गया है।" उन्होंने कहा कि 2019 में एक संयुक्त समन्वय समिति भी बनाई गई थी, ताकि केंद्रीय एजेंसियां ??और राज्य सरकार मिलकर बड़े मादक पदार्थ नेटवर्क, उनके अंतरराष्ट्रीय संपर्क आदि के खिलाफ संयुक्त निर्णय ले सकें। शाह ने कहा कि सरकार राजनीतिक इच्छाशक्ति, आपसी तालमेल के साथ कानून लागू करने और मादक पदार्थों की लत को रोकने एवं पीड़ितों के पुनर्वास के उपायों के जरिए

'नशा-मुक्त भारत 2029' का लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल में, आतंकवाद में कमी आने के बाद जम्मू-कश्मीर प्रगति और विकास की राह पर है तथा वहां आतंकवाद धीरे-धीरे खत्म होने के करीब है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता और गिरिडीह से दो बार के विधायक सुदित्य कुमार का आकस्मिक निधन

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भरोसेमंद सहयोगी और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के अहम सियासी संकटमोचकों में शामिल रहे सुदित्य कुमार ने सबसे चुनौतीपूर्ण क्षणों में पार्टी को उबारने में अहम भूमिका निभाई थी। इसमें सोरेन की गिरफ्तारी से लेकर चुनाव अभियान, सीट बंटवारे के लिए बातचीत और हालिया छात्र आंदोलन तक के दौर शामिल हैं। गिरिडीह से दो बार के विधायक और राज्य मंत्री रहे 56 वर्षीय कुमार के आकस्मिक निधन से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने ऐसे नेता को खो दिया है, जिसका महत्व उनके पास रहे मंत्री पद से कहीं अधिक था।



कुमार तकनीकी एवं उच्च शिक्षा, शहरी विकास, पर्यटन तथा खेल एवं युवा मामलों के विभागों के प्रभारी थे। लेकिन उनका राजनीतिक महत्व इस बात में था कि जब भी पार्टी मुश्किल परिस्थितियों का सामना करती थी, वह आगे बढ़कर मोर्चा संभाल लेते थे। सोरेन के लिए कुमार बड़े भाई जैसे थे, जो मुश्किल वक्त में उनके साथ खड़े रहे। वह मुख्यमंत्री के राजनीतिक रूप से भरोसेमंद लोगों में शामिल हो गए थे। जनवरी 2024 में कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा सोरेन की गिरफ्तारी के बाद उथल-पुथल भरे दौर में कुमार की भूमिका सबसे अधिक दिखाई दी। झामुमो नेतृत्व के सामने जब सबसे बड़ी राजनीतिक

चुनौतियों में से एक खड़ी थी, तब कुमार उन नेताओं में शामिल थे जिन्होंने पार्टी की संगठनात्मक और राजनीतिक मशीनरी को सुचारु रूप से चलाए रखने में मदद की और सोरेन के साथ मजबूती से खड़े रहे। इसके तुरंत बाद उन्हें एक और राजनीतिक जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्हें गांडेय विधानसभा उपचुनाव में झामुमो के चुनाव अभियान की कमान सौंपी गई। यह चुनाव कल्पना सोरेन का पहला चुनाव था। कुमार ने पार्टी की मुख्य चुनाव अभियान समिति की अगुवाई की और उनके चुनाव अभियान की रणनीति तैयार करने में केंद्रीय भूमिका निभाई। जून 2024 में कल्पना सोरेन की जीत से झामुमो को महत्वपूर्ण राजनीतिक बढ़त मिली और मुख्यमंत्री की पत्नी को सोरेन खेमे के एक नए चुनावी चेहरे के रूप में स्थापित किया। वर्ष 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजद के साथ सीट बंटवारे को लेकर हुई बातचीत में कुमार झामुमो के प्रमुख वार्ताकारों में शामिल थे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के घटनास्थल का दौरा कर बचाव कार्यों का लिया जायजा

दिल्ली के मोती बाग स्थित सत्य निकेतन इलाके में रविवार को एक इमारत अवाकन भरभराकर गिर गई। हादसे के बाद मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। अब तक एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 6 लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया है। रेस्क्यू किए गए लोगों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। मौके पर राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। बचाव दल मलबे को हटाकर अंदर फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं।



सीएम रेखा गुप्ता मौके पर पहुंचीं

हादसे की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता घटनास्थल पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (फ़ायर) के मुताबिक, दमकल की 8 गाड़ियां और अलग-अलग विभागों की कई बचाव टीमें मौके पर तैनात हैं। दिल्ली पुलिस ने भी इलाके की घेराबंदी कर दी है। आपातकालीन कर्मी मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं।

अमित शाह ने बीच में रद्द किया गोवा दौरा

सत्य निकेतन हादसे की जानकारी मिलने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपना तीन दिवसीय गोवा दौरा बीच में ही रद्द कर दिया और दिल्ली के लिए रवाना हो गए। शाह को रविवार को गोवा के चिम्बेल में नवनिर्मित BJP प्रदेश कार्यालय भवन का उद्घाटन करना था। हालांकि, दिल्ली में इमारत गिरने की घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने अपना दौरा रद्द कर दिया। अमित शाह ने सीएम और अधिकारियों से ली जानकारी अमित शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए हादसे पर दुःख जताया। उन्होंने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा

गुप्ता, दिल्ली पुलिस आयुक्त और NDRF के महानिदेशक से बात कर घटना की जानकारी ली है। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफकी टीमें आपसी तालमेल के साथ राहत एवं बचाव अभियान चला रही हैं। घायलों को ज़रूरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। गृह मंत्री ने हादसे में घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।

युद्धस्तर पर चल रहा रेस्क्यू ऑपरेशन

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी हादसे पर चिंता जताते हुए कहा कि डीडीएमए, एनडीआरएफ दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली पुलिस, एमसीडी, कैंटस और सिविल डिफेंस की टीमें युद्धस्तर पर बचाव अभियान चला रही हैं। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर हादसे से सटी इमारत को भी खाली करा लिया गया है। मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने और प्रभावित परिवारों को तत्काल मदद पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और सभी संबंधित एजेंसियां आपसी तालमेल से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हर नागरिक की सुरक्षा और कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पीएम मोदी के नाराज फूफ़र वाले बयान पर खरगे ने कहा- सरकार नाकामियों से ध्यान भटकाने के लिए विपक्ष को नए नाम देते हैं

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ़कॉमर्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नाराज फूफ़' वाले बयान को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष के लिए नए-नए विशेषण देना उनकी राजनीति का हिस्सा बन गया है। कांग्रेस का कहना है कि प्रधानमंत्री ऐसे बयानों के जरिए सरकार की नाकामियों से ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं।



खरगे बोले- युवाओं के सवालों का जवाब देने का मौका था-कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रूष्ट्र के शताब्दी समारोह में पीएम मोदी के भाषण को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि रूष्ट्र का कार्यक्रम देश के युवाओं, शिक्षा और उनके भविष्य पर चर्चा करने का मौका था, लेकिन प्रधानमंत्री भाषण एक बार फिर राजनीतिक अभियान में बदल गया। खरगे ने आरोध लगाया कि युवाओं के सवालों का जवाब देने के बजाय प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधने के लिए नए राजनीतिक विशेषणों का इस्तेमाल किया। अखबार

'नाराज फूफ़' से 'अर्बन नक्सल' तक का जिक्र मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी पोस्ट में प्रधानमंत्री की कथित 'मोडस ऑपरेंडी' पर भी हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोकतंत्र में सवाल को दबाने और विपक्ष के लिए नए-नए नाम गढ़ने की राजनीति करती है। इस दौरान खरगे ने 'नाराज फूफ़', 'दिमागी नक्सल', 'अर्बन नक्सल', 'खान मार्केट गैंग', 'आंदोलनजीवी' और 'परजीवी' जैसे शब्दों का

जिक्र किया।

विशेषण बदलते हैं, नीतियां नहीं

खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों और कथित जनविरोधी मुद्दों में बदलाव नहीं आया है, लेकिन विपक्ष के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द हर साल बदल जाते हैं। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं के सामने बेरोजगारी, लंबे समय से अकाली सरकार भर्तियां, पेपर लीक, महंगी होती शिक्षा, छात्रवृत्ति के घटते अवसर और विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता जैसे कई सवाल हैं।

पीएम ने रिपोर्ट कार्ड दिखाया,

युवा भी लेकर खड़े हैं

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण के जरिए अपना 'रिपोर्ट कार्ड' दिखाया है, लेकिन देश के युवा भी अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर खड़े हैं। खरगे ने सवाल उठाया कि युवाओं के इन मुद्दों और सवालों पर सरकार की ओर से क्या जवाब दिया जा रहा है। इस बयान के बाद पीएम मोदी के SRCC भाषण को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के बीच सियासी बयानबाजी और तेज होने के आसार हैं।

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने तस्करी की कोशिशों को किया नाकाम

नयी दिल्ली। सीमा शुल्क अधिकारियों ने यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर दो अलग-अलग मामलों में 1.07 करोड़ रुपये से अधिक कीमत का हीरा जड़ा सोने का कंगन और करीब 5.25 करोड़ रुपये मूल्य का 15 किलोग्राम सिंदघ मारिजुआना जप्त किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी के बयान के अनुसार, पहले मामले में 19 अगस्त को टर्मिनल-3 पर हवाई अड्डा सीमा शुल्क निवारक अधिकारियों ने इस्तांबुल से आए तुर्किये के दो नागरिकों को रोका।



बयान में कहा गया है कि सामान और व्यक्तिगत जांच के बाद अधिकारियों ने हीरा जड़ा सोने का कंगन जप्त किया। बयान के अनुसार, 750 शुद्धता वाले सोने से बने इस कंगन का वजन 87.5 ग्राम था और इसमें करीब 10 ग्राम धीरे लगे थे, जिनका वजन लगभग 50 कैरेट था। बयान में कहा गया कि कंगन की अनुमानित कीमत 1,07,86,301 रुपये आंकी गई।

कंगन सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 110 के तहत जप्त किया गया और दोनों यात्रियों को इसी अधिनियम की धारा 104 के तहत गिरफ्तार किया गया। एक अन्य बयान के अनुसार, चार सितंबर के दूसरे मामले में सीमा शुल्क अधिकारियों ने यात्री की 'प्रोफाइलिंग' के आधार पर टर्मिनल-3 पर कुआलालंपुर से आने वाली एक मलेशियाई महिला यात्री को रोका। बयान में कहा गया है कि यात्री के ट्रैली बैग की जांच के लिए उसे ग्रीन चैनल पर रोका गया और जांच के दौरान 30 पौंलीथीन पाउच में रखा सिंदघ मारिजुआना बरामद किया गया।

गुस्ताखी माफ

अपने नज़रिये से बाहर निकलकर आप अपनी असफलता को मात दे सकते हैं



साथियों,आजकल हर व्यक्ति किसी ना किसी समस्या से जूझता दिखाई देता है . उसे लगता है कि चाहकर भी वह अपनी समस्याओं का समाधान नहीं कर पा रहा है .इनमें से मुख्य हो रही हैं आर्थिक समस्या . बातचीत करने पर कहता है कि आजकल मार्केट में मंदी है या सरकारी नीतियों ने व्यापार की बँड बजा दी है . लाख कोशिश करने पर भी कोई हल नहीं निकल रहा है परंतु कोई भी अपने वर्तमान के कार्य कलाप के दायरे से बाहर निकलकर नये समाधान नहीं ढूढना चाहता है . परसों मेरा एक युवक के साथ समय बिताना हुआ . वह आइटी सेक्टर में कॉन्ट्रैक्ट लेकर कार्य कर रहा था और अपने कार्य को आगे बढ़ाने के लिये शत प्रतिशत समर्पित लगा . मैं

उसे पहले से थोडा बहुत पहचानता था , जब उसकी नेहरू नगर में रोड पर एक कम्प्यूटर हार्ड वेयर व रिपेयरिंग की बड़ी शॉप थी . मैंने उससे पूछा तो उसने बताया कि उसे बहुत बड़े नुकसान हुए , वह कर्ज में डूब गया था तो उसने दुकान बंद कर दी . वह मुझसे आगे बोला , भैया , अब मुझे रुकना नहीं है . दिन रात मेहनत कर , बिना किसी मौके को गंवाये , नये अवसर बनाकर, ऊंचाइयों पर पहुंचने की तैयारी करनी है . यही मेरा लक्ष्य है और यही मेरा संकल्प . मुझे उसकी बात सुनकर बहुत अच्छा लगा . मैंने पूछा , इतना जुनून कैसे ? इसके पीछे क्या राज है ? वह बोला , यह कोई छिपाने वाली बात नहीं है . मेरा सफ़्फ़ता पाने के लिये दृढ़ संकल्प का कारण है मेरी बड़ी असफ़्फ़ता . वैसे हर आदमी ऐसी असफ़्फ़ता के बाद टूट जाता है और ऊंची उड़ान की चाह छोड़ देता है परंतु मुझे रिसाली के एक गुरुवर, राव सर, द्वारा बताई बात समझ आई . उन्होंने सीख दी , असफ़्फ़ता ,इंसान को तोड़ने के लिये नहीं बल्कि फिर उठ खड़े होकर, और ज्यादा प्रयास करने का संदेश देने के लिये आती है . असफ़्फ़ता आपके प्रयास की कमी को दिखा देती है . असफ़्फ़ता को जो बड़ी सफ़्फ़ता की पहली सीढ़ी मानकर पूरी लगन से आगे बढ़ने का प्रयास करता है , उसका कार्य जरूर सिद्ध होता है . कितनी अद्भुत बात है यह ? मैं उन गुरुवर को नमन करता हूँ जो अपनी शरण में आये शिष्य को टूटने से बचा उसे सही मार्ग दर्शन देते हैं . साथियों ,यदि आप एक ही तरह के कार्य में बार बार असफ़्फ़ हो रहे हैं और अपेक्षित सफ़्फ़ता नहीं पा रहे हैं तो आप अपने कार्य क्षेत्र से बाहर निकलकर देखिये . हो सकता है कि दूसरा तरीका या दूसरा कार्य क्षेत्र आपके लिये ज्यादा उपयुक्त हो . आज की यह बात , आपके जीवन को नया रास्ता दिखाए ,

इंजी. मधुर चितलंग्या 'माधो'व्यंगकार व संपादक, दैनिक पूरब टाइम्स

अपन तो कहेंगे पूरब टाइम्स



अपन तो कहेंगे : छ.ग. में विपक्ष की छवि सुधरी हो या नहीं परंतु सत्ता पक्ष की गिरती साख उन पर भारी पड़ सकती है

बिहार के 11 जिलों में गंगा और अन्य प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरा, 19.57 लाख आबादी बाढ़ की चपेट में

पटना। बिहार के 11 जिलों में 19 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। पटना के गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर बाढ़ के महत्वपूर्ण निशान से ऊपर जाने के बाद अधिकारियों ने निचले इलाकों के लिए चेतावनी जारी की है।



अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के बाद पटना के गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर 'बाढ़ के उच्चतम स्तर' (एचएफ़एल) से ऊपर चला गया है, इसलिए अगले एक से तीन दिनों में पटना जिले के अंतर्गत हाथीदह और उसके बाद के रेलवे स्टेशन के प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि राज्य में कई नदियों का जलस्तर बढ़ने से पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार और अररिया सहित 11 जिलों के 330 ग्राम पंचायतों में लगभग 19.57 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। जल संसाधन विभाग (डब्ल्यूआरडी) की ओर से जारी नवीनतम परामर्श के मुताबिक, हाथीदह में गंगा का जलस्तर अपने पिछले एचएफ़एल को पार कर सकता है। इसके मद्देनजर बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर और कटिहार जिलों में सतर्कता बढ़ा दी गई

से निपटने से संबंधित संसाधन और मशीनरी तैयार रखने को कहा गया है। प्रभावित इलाकों के लोगों को सलाह दी गई है कि वे नदी के पास न जाएं और सतर्क रहें। डब्ल्यूआरडी के मुताबिक, पटना के गांधी घाट पर रविवार सुबह छह बजे गंगा का जलस्तर 50.57 मीटर था, जो 21 अगस्त 2016 को दर्ज किए गए पिछले उच्चतम जलस्तर 50.52 मीटर से 0.05 मीटर अधिक है। बयान के मुताबिक, "पटना जिले के पंडारक में सुबह छह बजे गंगा नदी का जलस्तर 43.92 मीटर था, जो 16 अगस्त 2021 को दर्ज किए गए पिछले उच्चतम जलस्तर 43.73 मीटर से 0.19 मीटर अधिक है।" अधिकारियों ने बताया कि राज्य में गंडक नदी डुमरियाघाट और हाजीपुर में, कोसी नदी बलतरा और कुरसेला में , बूढ़ी गंडक नदी खगड़िया में , गंगा नदी हाथीदह, भागलपुर, कहलगाँव, बक्सर व मुंगेर में, पुनपुन नदी श्रीपालपुर में, घाघरा नदी दरोली में

शिक्षक राष्ट्र के निर्माता हैं, उनका सम्मान करना गौरव की बात है : भूपेश बघेल



भिलाई। शिक्षक दिवस पर स्वामी आत्मानंद उच्च.माध्यमिक विद्यालय जनता भिलाई-3 में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नगर निगम क्षेत्र के 26 स्कूलों के 365 शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व महापौर निर्मल कोसरे ने किया, वहीं मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भूपेश बघेल ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माता हैं और उनका सम्मान करना मेरे लिए गौरव की बात है। जिस स्कूल में बस्ता लेकर पढ़ाई की शुरुआत की आज उसी स्कूल में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हूँ। ये मेरे उन गुरुजनों के आशीर्वाद के कारण है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा का व्यावसायीकरण रोकना बहुत आवश्यक है। हर माता पिता का सपना होता है कि मेरा बेटा अच्छा स्कूल में पढ़ाई करे। अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई के लिए प्राइवेट स्कूलों की ओर रुख करना पड़ता है जो कि काफ़ी महंगा होता है। जब हमारी सरकार थी मैंने सोचा गरीब परिवार का बच्चा भी निशुल्क अंग्रेजी माध्यम में पढ़ सके इसलिए पूरे प्रदेश में स्वामी आत्मानंद स्कूल का निर्माण कराया।

आज छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल का जब रिजल्ट घोषित होता है उसमें शासकीय स्कूल एवं स्वामी आत्मानंद के ही बच्चे शामिल होते हैं, ये उन सभी गुरुजनों के परिश्रम का नतीजा है। नगर निगम भिलाई चरोदा क्षेत्र के सभी गुरुजनों के सम्मान का अवसर मिला। इसके लिए आयोजनकर्ता महापौर निर्मल कोसरे एवं उनकी पूरी टीम को बधाई एवं धन्यवाद देता हूँ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सेवा करने का मौका मिला।

दुर्ग के चिखली तेज रफ्तार कार बकरी को टक्कर मारकर तालाब में जा घुसी, 3 युवक हिरासत में

दुर्ग। शहर के चिखली इंदिरा नगर इलाके में रविवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब तेज रफ्तार कार एक बकरी को चपेट में लेने के बाद अनियंत्रित होकर तालाब में जा घुसी। हादसे के दौरान सड़क किनारे मौजूद एक बच्चा भी कार की चपेट में आने से बाल-बाल बच गया।

बकरी को टक्कर मारकर तालाब में घुसी कार

मिली जानकारी के मुताबिक कार में तीन युवक सवार थे। बताया जा रहा है कि कार अनियंत्रित होकर पहले बकरी से टकराई और इसके बाद सीधे तालाब की ओर चली गई। कार के तालाब में पहुंचते ही मौके पर अफ़रा-तफ़री मच गई। हादसे के दौरान आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल घटनास्थल की ओर दौड़ लगाई। कार सवार तीनों युवक किसी तरह वाहन से बाहर निकलने में सफल रहे।

नशे में होने की बात, पुलिस ने तीनों को पकड़ा
 घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कार सवार तीनों युवकों को पकड़ लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक युवकों के नशे में होने की बात सामने आई है। हालांकि इसकी पुष्टि



पुलिस की जांच और मोडिकल परीक्षण के बाद ही स्पष्ट होगी।

बच्चे ने दौड़कर बचाई जान

हादसे का सबसे डरावना पहलू यह रहा कि कार तालाब में जाने से पहले एक बच्चे के बेहद करीब से गुजरी। बच्चा समय रहते पीछे हट गया, जिससे उसकी जान बच गई। यदि वह समय पर नहीं हटता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

जेवरा चौकी क्षेत्र का मामला

घटना जेवरा चौकी थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। पुलिस ने कार सवार तीनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हादसे के कारणों और कार कौन चला रहा था, इसकी भी जांच की जा रही है।

शिविर में 97 दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों का पंजीयन

- 7 सितम्बर को

मंगल भवन भिलाई चरोदा में शिविर

पूरब टाइम्स दुर्ग। जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के सहयोग से एपीकल्चर इश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसी) भारत सरकार वित्त मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण



मंत्रालय के निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर) एवं इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ई.आई.एल.) भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर) योजनान्तर्गत एवं भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), रायपुर द्वारा दुर्ग जिले के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण प्रदाय हेतु दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों हेतु मूल्यांकन/परीक्षण / चिन्हांकन शिविर का न.पा.नि.



दुर्ग/न.पा.नि.भिलाई/जनपद पंचायत दुर्ग के समस्त ग्राम पंचायतों के सम्मिलित करते हुए स्थान-भक्त माता कर्मा

सांस्कृतिक भवन, लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सालय के पास सुपेला भिलाई में आज शिविर आयोजित किया गया। आयोजित शिविर में कुल 97 दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों का पंजीयन किया गया जिसमें से दिव्यांगजनों हेतु निम्न सामग्री जैसे मोटराइज्ड ट्रायसायकल-14, ट्रायसायकल 5, बैसाखी-26, व्हील

चमोड़ चेंयर आदि उपकरणों सहित कुल 122 सामाग्रियों के लिए चिन्हांकित किया गया।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने शिविर के निरीक्षण के दौरान दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुने एवं समस्याओं को तुरंत निराकरण करने हेतु समाज कल्याण विभाग के अधिकारी एवं एलिम्को रायपुर के टीम को आवश्यक निर्देश दिये। शिविर में समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक श्री. पी. गौतम, एलिम्को रायपुर के चिकित्सकीय

व्यापारिक संगठन कैट ने व्यापारियों के लिए आयोजित किया "व्यापार कर संवाद" सैकड़ों की संख्या में शामिल हुए व्यापारी

पूरब टाइम्स दुर्ग।

व्यापारी संगठन कैट के द्वारा दुर्ग में "व्यापारिक कर संवाद" नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहायक आयकर कमिश्नर अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। उन्होंने आयकर से संबंधित व्यापारियों के द्वारा पूछे जा रहे सवालों के जवाब दिए। सैकड़ों की संख्या में मौजूद व्यापारियों ने अपने-अपने सवाल और समस्याएं कमिश्नर के सामने रखी।

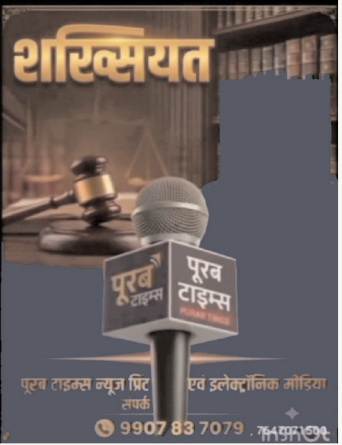
ज्ञात हो कि व्यापारी कर संवाद कार्यक्रम समूचे छत्तीसगढ़ में एक ही दिन में आयोजित किया गया जिससे आयकर देते समय व्यापारियों को होने वाली समस्याओं को खत्म किया जा सके। कमिश्नर ने कहा कि अब ज्यादातर व्यापार ऑनलाइन हो चुका है, ई बैंकिंग की भी सुविधा को लोग अपना रहे हैं जिससे आयकर को समझना आसान हो गया है वहीं

-कार्यक्रम के माध्यम से पहली बार व्यापारी एवं सहायक कमिश्नर हुए आमने-सामने

- व्यापारियों ने कमिश्नर से पूछे पेचीदा सवाल कमिश्नर ने सहजता से दिए जवाब

- व्यापारियों ने आने वाली भविष्य में व्यापारियों के लिए पेंशन योजना लागू करने की रखी मांग

-भारी बारिश के बीच सैकड़ों की संख्या में व्यापारी हुए शामिल



दूसरी ओर कैश ट्रांजैक्शन एवं बैंकिंग ट्रांजैक्शन में लिमिट होने के कारण व्यापारियों ने व्यापार करने में बेहद कठिनाई होने की बात कमिश्नर के सामने रखी।

व्यापारिक संगठन कैट के द्वारा आयोजित किए गए कार्यक्रम में निश्चित रूप से आने वाले समय में व्यापारियों को आयकर के नियम समझाने में सुविधा होगी।



कैट के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम से निश्चित रूप से व्यापारियों को आयकर नियम समझने में आसानी होगी जिससे कि आने वाले समय में व्यापारी बिना किसी फ़ाइन के अविलंब आयकर अदा कर सकेंगे व्यापारियों की ओर से कई प्रकार के सवाल आयकर अधिकारियों की टीम से पूछे गए जिसका की अधिकारियों ने बेहद सरलता से जवाब दिया मैं कैट को इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ



यह कार्यक्रम समूचे छत्तीसगढ़ में आज एक साथ आयोजित किया गया है व्यापारी बहुत अधिक व्यस्त होने के कारण आयकर के नियमों को पूरी तरह समझ नहीं पता नियमों को सरलता से समझने के लिए आज इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है कार्यक्रम में सहायक आयकर कमिश्नर अपनी टीम के साथ मौजूद है जहां उन्होंने व्यापारियों के द्वारा सीधे पूछे गए सवालों के सरलता से जवाब दिए आने वाले समय में भी इस प्रकार के कार्यक्रम कैट के द्वारा लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे



मध्यवर्गीय व्यापारी हो व्यस्तता के कारण कभी भी आयकर के सही नियमों की जानकारी नहीं ले पाता जिसके कारण आयकर अदा करते समय उसे बेहद कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है इसी कठिनाई को दूर करने के लिए आज कैट के द्वारा व्यापारिक कर संवाद कार्यक्रम का आयोजन समूचे छत्तीसगढ़ में किया गया दुर्ग में भारी बारिश के बाद भी सैकड़ों की संख्या में व्यापारी यहां आए और सहायक कमिश्नर के सामने अपनी बात रखी आने वाले समय में भी व्यापारियों की समस्याओं को सुलझाने के लिए कैट लगातार इस प्रकार की प्रयास करता रहेगा

कैट के द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित हुए। सहायक कमिश्नर के सामने सवाल करने का व्यापारियों के लिए एक अच्छा मौका था जिसका व्यापारियों ने भली-भांति फ़यदा उठाया और कुछ ऐसे सवाल भी किया जिसके जवाब सहायक कमिश्नर के पास भी नहीं था। व्यापारियों के कई सवालों से सदन में कई बार तालिया बजी। किसी व्यापारी ने व्यापारियों के लिए पेंशन योजना

लागू करने की बात कही। किसी ने बच्चों की पढ़ाई के लिए छूट की मांग की और किसी व्यापारी ने कैश लिमिट और बैंकिंग ट्रांजैक्शन लिमिट में आपत्ति दर्ज कराई। निश्चित रूप से संगठन के द्वारा की गई किया गया यह प्रयास व्यापारियों के लिए मिल का पत्थर साबित होगा।

हर गांव में चलेगा स्वच्छता का व्यापक अभियान

- मोहला एवं मानपुर में विशेष स्वच्छता अभियान, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण और ब्लैक स्पॉट की सफ़ाई

मोहला। कलेक्टर तनुजा सलाम के निर्देशानुसार तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री उज्जवल पोरवाल के निर्देशन में जिले में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। ग्राम स्तर पर स्वच्छता गतिविधियों की नियमित समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन का उद्देश्य जिले के प्रत्येक गांव में स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ वातावरण तैयार करना है।

इसी क्रम में मोहला एवं मानपुर क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान विभिन्न ग्रामों एवं प्रमुख स्थानों पर डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण कराया गया। कचरा फेंके जाने वाले ब्लैक स्पॉट को चिन्हांकित कर उनकी सफ़ाई कराई गई तथा इन स्थानों पर दोबारा कचरा जमा न हो, इसके लिए निगरानी एवं जागरूकता की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। ग्राम स्तर पर स्वच्छता गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने तथा सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफ़ाई बनाए रखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

स्थच्छता जागरूकता अभियान के तहत बाजार एवं प्रमुख स्थानों पर स्थित दुकानदारों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के प्रावधानों की जानकारी दी गई। दुकानदारों को खुले में कचरा नहीं फेंकने, कचरा नहीं जलाने तथा गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने के लिए समझाझा दी गई। साथ ही स्वच्छता नियमों के उल्लंघन की स्थिति में दंड के प्रावधानों से भी अवगत कराया गया। नागरिकों एवं व्यापारियों से अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने तथा कचरे का निर्धारित तरीके से निपटान करने की अपील की गई।

जिले की सभी ग्राम पंचायतों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को नियमित एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीणों को घर से ही गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग रखने तथा निर्धारित स्वच्छताग्राही को ही कचरा देने के लिए जागरूक किया जाएगा। एकत्रित कचरे के उचित निपटान



एवं प्रसंस्करण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि गांवों में स्वच्छता व्यवस्था को स्थायी रूप से बेहतर बनाया जा सके।

स्वच्छता अभियान को केवल विभागीय गतिविधि तक सीमित न रखते हुए इसे जनभगीदारी का अभियान बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, स्वच्छताग्राहियों, स्व-सहायता समूहों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों, दुकानदारों एवं ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ ही सार्वजनिक स्थलों को साफरखने और कचरे का उचित प्रबंधन करने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे।

स्वच्छता कार्यों की जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायत स्तर पर नियमित समीक्षा के साथ मैदानी सत्यापन भी किया जाएगा। स्वच्छता व्यवस्था में लापरवाही अथवा शिथिलता पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छता को हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी मानते हुए जिले के प्रत्येक गांव में स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ वातावरण निर्माण की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर तनुजा सलाम ने मानपुर क्षेत्र में विकास कार्यों का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

- कलेक्टर पहुंची स्वामी

आत्मानंद विद्यालय, विद्यार्थियों से संवाद कर जानी पढ़ाई की स्थिति

- कलेक्टर सलाम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं की ली जानकारी

मोहला। कलेक्टर तनुजा सलाम ने विकासखंड मानपुर के विभिन्न ग्रामों एवं शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण कर विकास कार्यों, शैक्षणिक व्यवस्थाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ग्राम पंचायत तोलूम में डीएमएच मद से निर्मित मिनी स्टैंडियम निर्माण कार्य, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण एवं शाक सेवा केंद्र का निरीक्षण किया। इसके पश्चात ग्राम नवागाम में एफ़एसटीपी कार्य तथा ग्राम पंचायत मानपुर में आरसेटी प्रशिक्षण संस्था का निरीक्षण किया।

आरसेटी में कलेक्टर श्रीमती सलाम ने पशु सखी का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रथम बैच की महिलाओं से मुलाकात कर प्रशिक्षण की जानकारी ली और उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने महिलाओं को प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने एवं आजीविका के बेहतर अवसरों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात कलेक्टर ने स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी-हिंदी माध्यम विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने कंप्यूटर लैब एवं विज्ञान प्रायोगिक लैब का अवलोकन कर उपलब्ध संसाधनों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कक्षा 10 वीं के विद्यार्थियों से परिचय प्राप्त करते हुए उनकी पढ़ाई एवं शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। विद्यालय परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर सलाम ने सामुदायिक



स्वास्थ्य केंद्र मानपुर का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ओपीडी, आईपीडी, फ़र्मेंसी, हमर लैब, ऑपरेशन थिएटर, एनआरसी, डायलिसिस सेंटर एवं लैबर रूम का निरीक्षण किया। हमर लैब में सैपल जांच की प्रक्रिया एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

एनआरसी के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने भर्ती बच्चों की जानकारी ली तथा नए आए बच्चों के पंजीयन रजिस्टर में एंट्री की स्थिति

का अवलोकन किया। उन्होंने दवाई वितरण कक्ष का निरीक्षण कर उपलब्ध दवाइयों एवं उनके वितरण की जानकारी ली। कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं एवं आवश्यक दवाइयां समय पर उपलब्ध कराने तथा संस्थान की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान एसडीएम मानपुर अमित नाथ योगी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिटी सक्षिप्त समाचार

अवैध रेत एवं गिह्टी परिवहन में 8 ट्रैक्टर वाहन जब्त

रायपुर। जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध खनिज विभाग द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए खनिज विभाग की टीम ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जांच एवं कार्रवाई कर अवैध रेत एवं गिह्टी परिवहन करते पाए गए 8 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया है। खनिज विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में ग्राम सखना से रेत परिवहन करते 2 ट्रैक्टर, रूमगा से 2 ट्रैक्टर, चिचगोना से 1 ट्रैक्टर, कोरजा से 1 ट्रैक्टर एवं लालपुर से 1 ट्रैक्टर वाहन तथा कोटमी से गिह्टी का अवैध परिवहन करते 1 ट्रैक्टर वाहन जब्त किया गया।

पक्के आवास से बदली इंद्रासो की जिंदगी, अब बारिश में नहीं टपकता घर

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लिए मुख्यमंत्री विष्णु भैया का जताया आभार



अम्बिकापुर। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण जरूरतमंद परिवारों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे और जर्जर मकानों में रहने वाले परिवारों को पक्के आवास का सहारा मिल रहा है। अम्बिकापुर विकासखंड की बकिरमा ग्राम पंचायत की रहने वाली इंद्रासो भी ऐसे ही हितग्राहियों में शामिल हैं, जिनके जीवन में पक्के आवास ने सकारात्मक बदलाव लाया है।

इंद्रासो ने बताया कि पहले उनका परिवार मिट्टी के कच्चे मकान में रहता था। बारिश के दिनों में घर की छत से पानी टपकता था और मकान में टूट-फूट की समस्या बनी रहती थी। परिवार को मौसम की मार के बीच घर की सुरक्षा को लेकर चिंता रहती थी। कच्चे मकान में रहने के कारण रोजमर्रा की जिंदगी भी कठिनाइयों से भरी थी। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत आवास की स्वीकृति मिलने के बाद इंद्रासो ने अपने परिवार के लिए पक्के मकान का निर्माण कराया। अब उनका परिवार सुरक्षित और मजबूत आवास में रह रहा है। पक्का घर बनने के बाद बारिश के दौरान पानी टपकने और मकान के टूट-फूट जैसी पुरानी परेशानियों से उन्हें राहत मिली है। इंद्रासो ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि "पहले मिट्टी के घर में रहते थे। पानी टपकता था और घर में टूट-फूट होती रहती थी। प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्का घर मिला और अब कोई परेशानी नहीं है। पक्का आवास बन गया है, इससे मैं बहुत खुश हूँ।" उन्होंने पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साहू के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की इस योजना से उनके परिवार को सुरक्षित छत मिली है।

फसल परिवर्तन से बढ़ा उत्पादन और मुनाफ़ा

बाम्हनपाली के किसान राजकुमार ने बरबटी और खीरा की खेती से कमाया 2.70 लाख रुपये का शुद्ध लाभ

रायपुर। कभी पारंपरिक तरीके से खेती कर सीमित लाभ प्राप्त करने वाले किसान राजकुमार साहू ने खेती में बदलाव और आधुनिक तकनीक अपनाकर बरबटी एवं खीरा की खेती से बेहतर उत्पादन प्राप्त किया। इससे उन्होंने 2.70 लाख रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया। उनकी यह सफलता क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणादायक बन रही है।

रायगढ़ जिले के खरसिया विकासखंड के ग्राम बाम्हनपाली निवासी किसान राजकुमार के पास 0.800 हेक्टेयर सखित भूमि है। पहले वे पारंपरिक तरीके से खेती करते थे, जिससे उन्हें लगभग 60 से 80 किंटल उत्पादन प्राप्त होता था। इससे करीब 2.48 लाख रुपये की बिक्री होती थी और लगभग 78 हजार रुपये का लाभ प्राप्त होता था। खेती में नई तकनीक और बेहतर फसल प्रबंधन अपनाने के बाद उनका उत्पादन बढ़कर 100 से 120 किंटल तक पहुंच गया। इससे उन्हें 3.60 लाख रुपये की बिक्री प्राप्त हुई, जबकि उत्पादन में 90 हजार रुपये की लागत आई।



लागत राशि घटाने के बाद उन्हें 2.70 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। इस तरह उनकी आय और लाभ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। राजकुमार ने उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में फसल प्रबंधन किया तथा जैविक खाद एवं अनुशंसित दवाओं का उपयोग किया। राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत उन्हें 20 हजार रुपये का अनुदान भी प्राप्त हुआ। विभागीय मार्गदर्शन और आधुनिक तकनीक के उपयोग से उन्हें बेहतर उत्पादन के

साथ अधिक लाभ प्राप्त करने में सफलता मिली। उद्यानिकी विभाग के अधिकारी ने बताया कि राज कुमार साहू की सफलता यह संदेश देती है कि पारंपरिक खेती के साथ फसल विविधीकरण, बेहतर फसल प्रबंधन और आधुनिक तकनीक को अपनाकर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। उनकी सफलता से क्षेत्र के अन्य किसान भी प्रभावित हो सकते हैं।

जिला अस्पताल कांकेर की कैंटीन को मिला

‘ईट राइट कैंपस’ का 5-स्टार एक्सेम्प्लरी प्रमाण-पत्र

स्वस्थ भोजन और सुरक्षित खान-पान की दिशा में कांकेर जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण उपलब्धि

उत्तर बस्तर कांकेर। स्वच्छ, सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में जिला प्रशासन कांकेर ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जिला अस्पताल कांकेर की कैंटीन को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा ‘ईट राइट कैंपस’ के रूप में 5-स्टार ‘एक्सेम्प्लरी’ प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है। यह प्रमाण-पत्र 2 सितंबर 2026 से 1 सितंबर 2028 तक प्रभावी है। यह उपलब्धि जिला अस्पताल परिसर में आने वाले मरीजों, उनके परिजनों एवं अस्पताल के कर्मचारियों को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का दर्शाती है।

स्वस्थ भोजन की संस्कृति को बढ़ावा ‘ईट राइट कैंपस’ पहल का उद्देश्य संस्थानों में सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन को बढ़ावा देना तथा लोगों में सतुलित और स्वस्थ खान-पान के प्रति जागरूकता विकसित करना है। जिला अस्पताल की कैंटीन का इस पहल के



तहत ‘एक्सेम्प्लरी’ श्रेणी में 5-स्टार प्रमाणन प्राप्त करना कांकेर जिले में खाद्य सुरक्षा एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में उल्लेखनीय कदम है। कलेक्टर कुंदन कुमार के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ अस्पताल परिसर में उपलब्ध खाद्य व्यवस्था को भी गुणवत्तापूर्ण बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसका सीधा लाभ अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को मिलेगा।

FSSAI के मानकों पर खरा उतरा जिला अस्पताल कैंटीन-जिला अस्पताल कांकेर की कैंटीन का यह प्रमाण भारतीय खाद्य

सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा निर्धारित ‘ईट राइट कैंपस’ के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया गया है। प्रमाण-पत्र पर FSSAI के कार्यकारी निदेशक श्री यू.एस. ध्यानी के हस्ताक्षर हैं। इस उपलब्धि में FSDA कांकेर की कार्यान्वयन भागीदारी, Onecrew Services Private Limited की ऑडिटिंग भागीदारी तथा Gyncity Educational Trust की प्रशिक्षण भागीदारी रही।

जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता का परिणाम जिला अस्पताल कांकेर की कैंटीन को मिला यह प्रमाण-पत्र जिला प्रशासन कांकेर की ‘स्वस्थ जिला’ की दिशा में प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण परिणाम है। प्रशासन का प्रयास है कि शासकीय संस्थानों में नागरिकों को बेहतर सुविधाओं के साथ सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ की उपलब्ध हों 5-स्टार ‘एक्सेम्प्लरी’ प्रमाणन कांकेर जिले के लिए गौरव की उपलब्धि है और यह स्वस्थ खान-पान एवं खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों को नई पहचान प्रदान करता है।

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा कवर्धा में आयोजित दही हांडी उत्सव में हुए शामिल

श्री शर्मा ने हाथी-घोड़ा-पालकी, जय कन्हैयालाल की का जयघोष कर उत्सव का उल्लास और भी बढ़ा दिया

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा शनिवार को कवर्धा शहर के गांधी मैदान तथा भारत माता चौक में आयोजित दही हांडी उत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा रानी की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने परंपरा अनुसार सभी ग्वाला भाइयों का तिलक लगाकर स्वागत किया और उन्हें दही हांडी उत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

यादव समाज के प्रतिनिधियों ने उन्हें पारंपरिक सम्मान स्वरूप खुमरी पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला



पंचायत सभापति रामकुमार भट्ट, नितेश अग्रवाल सहित समस्त पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, शहरवासी और यादव समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने समस्त शहरवासियों एवं पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला

शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मंच से ही सभी उपस्थित जनों के साथ "हाथी-घोड़ा-पालकी, जय कन्हैयालाल की" का जयघोष कर उत्सव का उल्लास और भी बढ़ा दिया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि गोविंदा उत्सव कवर्धा की गौरवशाली परंपरा है, जो समाज में एकता, भाईचारे और सहयोग की



भावना को मजबूत करता है। उन्होंने आगे कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हम सभी को धर्म, कर्म और कर्तव्य के प्रति प्रेरित करता है। कृष्ण लीला हमें यह संदेश देती है कि अन्याय और अधर्म पर सदैव धर्म की विजय होती है। श्री शर्मा ने सभी युवाओं से आह्वान किया कि वे भगवान कृष्ण के

आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और समाज की सेवा में सक्रिय भूमिका निभाएं। दही हांडी उत्सव के दौरान हजारों की संख्या में शहरवासी, समाजजन और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पूरा शहर कृष्ण भक्ति और जयघोष से गुंजायमान रहा।

नमस्ते’ योजना में छत्तीसगढ़ संयुक्त रूप से देश में प्रथम

–राज्य के 1428 सीवर एवं सेंटिक टैंक कर्मियों को पीपीई किट वितरित, 1374 के आयुभान भारत कार्ड बनाए गए, 139 कर्मियों को व्यावसायिक सुरक्षा प्रशिक्षण –स्वच्छता कर्मियों हेतु आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए 47 ईआरएसयू और 14420 हेल्पलाइन का संचालन

–उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरीय निकायों और विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को दी बधाई, कहा स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर कार्य परिस्थितियां सर्वाच्च प्राथमिकता रायपुर. सीवर एवं सेंटिक टैंक कर्मियों की सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता कार्यों में मशीनीकरण को बढ़ावा देने में छत्तीसगढ़ ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। केंद्र सरकार की ‘नेशनल एक्शन प्लॅन मेकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम’ योजना के अंतर्गत राज्यों के प्रदर्शन की रैंकिंग में

छत्तीसगढ़ ने संयुक्त रूप से देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। छत्तीसगढ़ के साथ आंध्रप्रदेश, ओडिशा, त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश और केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी ‘नमस्ते’ योजना के क्रियान्वयन में संयुक्त रूप से देश में पहले स्थान पर हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने इस उपलब्धि पर नगरीय निकायों, विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों व ‘नमस्ते’ योजना के क्रियान्वयन से जुड़े सभी मैदानी अमले को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर कार्य परिस्थितियों को सर्वाच्च प्राथमिकता दे रही है। स्वच्छता कार्यों में मशीनीकरण को बढ़ावा देकर जोखिमपूर्ण कार्यों को समाप्त करना और स्वच्छता कर्मियों को सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण कार्य का वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्रतिबद्धता है।

झीरम घाटी फैसले का कांग्रेस ने सम्मान किया, लेकिन

राजनीतिक साजिश और पूरे सच की जांच पर सवाल उठाए

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित झीरम घाटी नरसंहार मामले में 13 साल बाद आए NIA कोर्ट के फैसले को लेकर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। जगदलपुर की विशेष NIA अदालत ने 5 सितंबर 2026 को मामले में ट्रायल का सामना कर रहे सभी 10 आरोपियों को दोषी करार दिया। अदालत 16 सितंबर को दोषियों की सजा पर फैसला सुनाएगी। अदालत के फैसले का सम्मान करते हुए कांग्रेस ने इसे ‘अधूरा न्याय’ बताया है।

बलौदाबाजार जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में पार्टी नेताओं ने कहा कि दोषियों को सजा मिलना महत्वपूर्ण है, लेकिन झीरम हमले के पीछे की पूरी साजिश और राजनीतिक षडयंत्र का सच सामने आना अभी बाकी है। प्रत्यक्षदर्शी सुरेंद्र शर्मा ने उठाए जांच पर सवाल प्रेसवार्ता में झीरम हमले के प्रत्यक्षदर्शी और मुख्य गवाह सुरेंद्र शर्मा ने कांग्रेस का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि झीरम हमले का पूरा सच अभी सामने नहीं आया है। उनके अनुसार घटना के पीछे संभावित राजनीतिक षडयंत्र और हमले की पूरी साजिश के पहलुओं की भी जांच होनी चाहिए। कांग्रेस की ओर से जारी प्रेस नोट में आरोप लगाया गया कि NIA की जांच शुरू से सीमित दायरे में रही और राजनीतिक षडयंत्र के पहलू की पर्याप्त जांच नहीं हुई। कांग्रेस ने पूछा- जांच केवल 10 आरोपियों तक क्यों



सीमित रही?-कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी घटना में अदालत के सामने केवल 10 आरोपियों के खिलाफ ही मुकदमा क्यों चल सका। पार्टी का दावा है कि घटना के पीछे मौजूद बड़े नक्सली नेतृत्व और संभावित साजिश के पहलुओं तक जांच नहीं पहुंच सकी। कांग्रेस ने यह भी सवाल उठाया कि NIA द्वारा नामजद कर फ़ार घोषित किए गए 26 लोगों में से कई बाद में आत्मसमर्पण कर चुके थे। पार्टी ने पूछा कि उनसे कब पूछताछ हुई और किन परिस्थितियों में उन्हें मामले से अलग माना गया। परिवर्तन यात्रा के रूट और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल-प्रेसवार्ता में कांग्रेस ने झीरम हमले से जुड़े कई सवाल उठाए। पार्टी ने पूछा कि क्या वह केवल नक्सली हमला था या इसके पीछे किसी बड़ी

राजनीतिक साजिश की भी भूमिका थी। कांग्रेस ने परिवर्तन यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था में हुए बदलाव, यात्रा का मार्ग बदलने के निर्देश और हमले से पहले व बाद की घटनाओं की जांच को लेकर भी सवाल उठाए। पार्टी ने कहा कि FIR और जांच में जिन बड़े नक्सली नेताओं के नाम सामने आए, उन तक जांच क्यों नहीं पहुंची और राजनीतिक षडयंत्र के पहलू की पर्याप्त जांच क्यों नहीं की गई। कांग्रेस बोली- अदालत के फैसले का सम्मान, लेकिन पूरा सच जरूरी-कांग्रेस ने कहा कि वह अदालत के फैसले का सम्मान करती है, लेकिन झीरम घाटी हमले का पूरा सच सामने आना अभी बाकी है। पार्टी का कहना है कि जब तक हमले की पूरी साजिश, उसके पीछे मौजूद लोगों और घटना से जुड़े अनसुलझे सवालों के जवाब सामने नहीं आते, तब तक न्याय की प्रक्रिया को पूर्ण नहीं माना जा सकता। 25 मई 2013 को हुआ था झीरम घाटी हमला गौरतलब है कि 25 मई 2013 को बस्तर की झीरम घाटी में कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर माओवादी हमला हुआ था। हमले में तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा, विद्याचरण शुक्ल समेत कांग्रेस के कई नेताओं और अन्य लोगों की मौत हुई थी। करीब 13 साल बाद विशेष NIA अदालत ने मामले में ट्रायल का सामना कर रहे 10 आरोपियों को दोषी करार दिया है।

जी-राम-जी योजना से ग्राम सपना में आजीविका डबरी

बनी किसान की बहुउपयोगी परिसंपत्ति

–सिंचाई के साथ मछली पालन और 50-60 डिसमिल में सेमी की खेती से बढ़ेगी किसान की आय –किसान जयलाल ने कहा- "आजीविका डबरी के लिए विष्णु भैया को धन्यवाद"

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के साथ आजीविका के नए अवसर विकसित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर अब गांवों में दिखाई देने लगा है। विकसित भारत जी-राम-जी योजना के तहत निर्मित आजीविका डबरी किसानों के लिए सिंचाई, खेती और मछली पालन जैसी गतिविधियों को एक साथ आगे बढ़ाने का आधार बन रही है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत सपना के किसान जयलाल के लिए यह डबरी ऐसी ही बहुउपयोगी परिसंपत्ति बनकर सामने आई है।

किसान जयलाल ने बताया कि जी-राम-जी योजना के तहत उनके लिए आजीविका डबरी का निर्माण कराया गया है। बारिश के दौरान इसमें पानी एकत्र हो जाता है, जो लंबे समय तक उपलब्ध रहता है। आवश्यकता के अनुसार इसी पानी का उपयोग खेतों में सिंचाई के लिए किया जा रहा है। डबरी बनने से खेती के लिए पानी की व्यवस्था को लेकर पहले जैसी परेशानी नहीं रही और फसलों की सिंचाई करना आसान हुआ है।



सिंचाई के साथ मछली पालन से बढ़े आजीविका के अवसर-श्री जयलाल ने बताया कि आजीविका डबरी का उपयोग केवल सिंचाई तक सीमित नहीं है। उन्होंने डबरी में मछली पालन भी शुरू किया है। इसके साथ ही लगभग 50-60 डिसमिल भूमि में सेमी की खेती कर रहे हैं। इस प्रकार एक ही जल संरचना उनके लिए खेती की सिंचाई के साथ अतिरिक्त आय का साधन भी बन गई है।

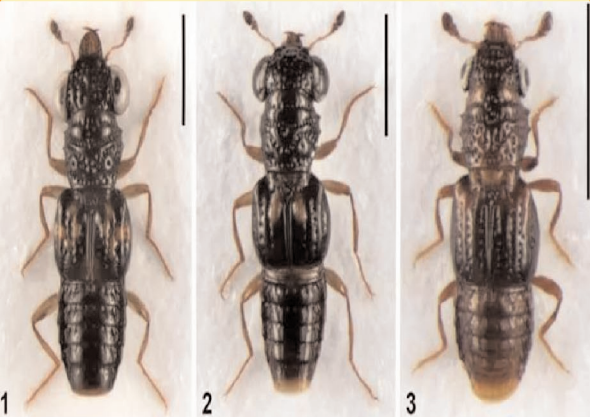
उन्होंने बताया कि पहले खेती के लिए पानी की व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण था। बारिश के पानी को संरक्षित करने की सुविधा नहीं होने के कारण उपलब्ध जल का पूरा उपयोग नहीं हो पाता था। अब डबरी में संग्रहित पानी को जरूरत के समय खेतों तक पहुंचाकर सिंचाई की जा रही है। इससे खेती को

नियमितता मिली है और मछली पालन के माध्यम से आय का अतिरिक्त जरिया भी विकसित हुआ है। पानी का संरक्षण, खेती को सबल और आय में बढ़ोतरी आजीविका डबरी ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण को आजीविका से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रही है। वर्षा जल को स्थानीय स्तर पर संरक्षित करने से जहां किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो रहा है, वहीं उसी जल संरचना का उपयोग मछली पालन जैसी गतिविधियों के लिए भी किया जा रहा है।

इससे ग्रामीण परिसंपत्तियों के बहुउपयोग और स्थानीय स्तर पर आजीविका सुदृढ़ करने की दिशा में योजनाओं की उपयोगिता सामने आती है। आजीविका डबरी से मिली सुविधा पर खुशी जाहिर करते हुए किसान जयलाल ने कहा, "डबरी बनने से सिंचाई की सुविधा हो गई है। खेती-बाड़ी करने में अब परेशानी नहीं होती। डबरी के पानी से खेतों की सिंचाई कर रहे हैं और मछली पालन भी कर रहे हैं।" उन्होंने आजीविका डबरी के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डबरी से उन्हें खेती के लिए पानी मिला है और इसके माध्यम से वे खेती-बाड़ी के साथ मछली पालन कर अपनी आजीविका को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, इसके लिए विष्णु भैया को बहुत-बहुत धन्यवाद।

ज्ञान-विज्ञान की बातें

अरुणाचल में खोजी गई नई बीटल प्रजातिया



अरुणाचल प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ी है। एक भारत-जर्मनी शोध दल ने राज्य के जंगलों और झरनों वाले इलाकों में रोव बीटल (Stenus beetles) की 15 नई प्रजातियों की खोज की है। यह खोज पूर्वी हिमालय क्षेत्र में कीटों की विविधता को समझने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। शोधकर्ताओं ने बताया कि ये सभी प्रजातियां पहले विज्ञान के लिए अज्ञात थीं। इनकी पहचान विस्तृत अध्ययन और टैक्सोनॉमिक रिसर्च के बाद की गई। इस खोज के साथ अरुणाचल प्रदेश में दर्ज Stenus बीटल प्रजातियों की संख्या बढ़कर 103 हो गई है।

जंगलों और झरनों में हुई खोज शोध टीम ने अरुणाचल प्रदेश के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों, जंगलों और झरनों के आसपास सर्वेक्षण किया। इन इलाकों में मौजूद छोटे जीवों की विविधता का अध्ययन करते हुए वैज्ञानिकों को रोव बीटल की कई नई प्रजातियां मिलीं। रोव बीटल कीटों का एक बड़ा समूह है, जो आमतौर पर पत्तियों की परत, मिट्टी और नम वातावरण वाले स्थानों में पाए जाते हैं। ये छोटे शिकारी जीव पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जैव विविधता के लिहाज से अहम खोज अरुणाचल प्रदेश पहले से ही अपनी अनोखी वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के लिए जाना जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि राज्य के कई दुर्गम क्षेत्रों में अभी भी कई ऐसी प्रजातियां मौजूद हो सकती हैं, जिनकी खोज बाकी है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह की खोजें न केवल जैव विविधता को समझने में मदद करती हैं, बल्कि संरक्षण योजनाएं बनाने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। शोध में भारत-जर्मनी सहयोग यह खोज भारत और जर्मनी के वैज्ञानिकों के संयुक्त प्रयास से हुई है। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन को कीट विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान बताया है। नई प्रजातियों के दस्तावेजीकरण से पूर्वी हिमालय के पारिस्थितिक महत्व को भी मजबूती मिली है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अरुणाचल जैसे जैव विविधता से भरपूर क्षेत्रों में लगातार शोध और संरक्षण की जरूरत है, ताकि दुर्लभ प्रजातियों को सुरक्षित रखा जा सके।

रूढ़ि रूद्ध शरीर के किन हिस्सों की जांच के लिए होता है इस्तेमाल कब पड़ती है जरूरत ?

कई बार शरीर में परेशानी तो होती है, लेकिन उसके पीछे की वजह सामान्य जांच या बाहर से दिखाई देने वाले लक्षणों से साफ नहीं हो पाती। ऐसे मामलों में डॉक्टर कुछ खास मेडिकल टेस्ट कराने की सलाह दे सकते हैं। इन्हीं में से एक है MRI Scan। इसकी मदद से शरीर के अंदर मौजूद कई अंगों और टिश्यू की विस्तृत तस्वीरें ली जाती हैं, जिससे डॉक्टर को बीमारी या चोट की सही वजह समझने में मदद मिल सकती है। MRI का इस्तेमाल केवल किसी एक बीमारी की जांच के लिए नहीं होता। शरीर के जिस हिस्से में परेशानी हो, उसके आधार पर डॉक्टर ब्रेन, रीढ़ की हड्डी, घुटने, कंधे, पेट या शरीर के दूसरे हिस्सों का MRI कराने की सलाह दे सकते हैं। आइए जानते हैं MRI क्या होता है और किन स्थितियों में यह जांच काम आती है।

MRI Scan क्या होता है
MRI यानी Magnetic Resonance Imaging एक ऐसी मेडिकल इमेजिंग जांच है, जिसमें चुंबकीय क्षेत्र और रेडियो तरंगों की मदद से शरीर के अंदर के हिस्सों की विस्तृत तस्वीरें तैयार की जाती हैं। इस जांच में मरीज को एक

विशेष मशीन के अंदर लिटाया जाता है और मशीन शरीर के अलग-अलग हिस्सों की इमेज तैयार करती है। इन तस्वीरों की मदद से डॉक्टर शरीर के अंगों के साथ-साथ मांसपेशियों, नसों, हड्डियों और सॉफ्ट टिश्यू में होने वाले बदलावों को देखने की कोशिश करते हैं। जरूरत के मुताबिक शरीर के किसी खास हिस्से का MRI किया जा सकता है। कुछ MRI जांचों में डॉक्टर मरीज को कॉन्ट्रास्ट ड्राई भी दे सकते हैं, जिससे शरीर के कुछ हिस्से या असामान्य टिश्यू तस्वीरों में ज्यादा स्पष्ट दिखाई दे सकें। यह हर MRI में जरूरी नहीं होता।

दिमाग से जुड़ी समस्याओं की जांच में मददगार-ब्रेन से जुड़ी कई समस्याओं को समझने के लिए MRI काफी उपयोगी इमेजिंग टेस्ट हो सकता है। डॉक्टर मरीज के लक्षणों और मेडिकल हिस्ट्री के आधार पर इसकी सलाह दे सकते हैं। ब्रेन MRI की मदद से ब्रेन ट्यूमर, स्ट्रोक, मल्टीपल



स्केलेरोसिस, सुजन, रक्तस्राव और मस्तिष्क के टिश्यू में होने वाले अन्य बदलावों का पता लगाने में मदद मिल सकती है। लगातार सिरदर्द, दौरे, कमजोरी, चक्कर या शरीर के किसी हिस्से में अचानक बदलाव जैसे लक्षणों के मामले में डॉक्टर जरूरत के अनुसार ब्रेन इमेजिंग कराने का फैसला कर सकते हैं।

रीढ़ की हड्डी और नसों की समस्या में भी होता है इस्तेमाल-अगर किसी व्यक्ति को लंबे

समय से कमर या गर्दन में दर्द है, हाथ-पैर में झनझनाहट या कमजोरी महसूस होती है, तो डॉक्टर कुछ मामलों में MRI की सलाह दे सकते हैं। इससे रीढ़ की हड्डी, डिस्क और उसके आसपास की नसों की स्थिति को अधिक विस्तार से देखा जा सकता है। MRI से स्लिप डिस्क, नस पर दबाव, स्पाइनल कॉर्ड में बदलाव और रीढ़ की हड्डी से जुड़ी कई अन्य

है। इससे लिगामेंट, टेंडन, कार्टिलेज और मांसपेशियों में हुई चोट को देखने में मदद मिल सकती है। इसी वजह से खिलाड़ियों में स्पोर्ट्स इंजरी की जांच के लिए भी MRI का इस्तेमाल किया जाता है।

शरीर में ट्यूमर या असामान्य गांठ की जांच शरीर के कुछ हिस्सों में गांठ या असामान्य बदलाव दिखाई देने पर डॉक्टर MRI कराने की सलाह दे सकते हैं। इससे गांठ या ट्यूमर की स्थिति, उसका आकार और आसपास के टिश्यू पर उसके प्रभाव को समझने में मदद मिल सकती है। हालांकि, केवल MRI में किसी गांठ के दिखाई देने का मतलब यह नहीं है कि वह कैंसर ही है। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर अन्य जांच, जैसे बायोप्सी या दूसरी इमेजिंग टेस्ट, की मदद से इसकी पुष्टि करते हैं।

पेट और पेल्विस की जांच में भी हो सकता है इस्तेमाल-MRI का इस्तेमाल केवल दिमाग या हड्डियों तक सीमित नहीं है। जरूरत पड़ने पर पेट और पेल्विस के अंदर मौजूद अंगों की जांच के लिए भी MRI किया जा सकता है।

लिवर, किडनी, पैंक्रियास और पेल्विस के कुछ अंगों में मौजूद असामान्य बदलावों को समझने में यह जांच मदद कर सकती है।

यदि आपके आधार कार्ड या पैन कार्ड का दुरुपयोग हो रहा है ! ऐसे पता लगाएं और अपनी पहचान करें सुरक्षित

यदि कोई आपके आधार कार्ड या पैन कार्ड का दुरुपयोग कर रहा है तो उसके मिसयूज को आप खुद घर बैठे ही 5 मिनट में ऑनलाइन चेक (जांच) कर सकते हैं। साथ ही एहतियाती जरूरी कदम उठाकर अपनी पहचान सुरक्षित कर सकते हैं। दरअसल, अपने आधार कार्ड के मिसयूज का पता करने के लिए सबसे आसान तरीका यह है कि आप अपने आधार के प्रयोग का पूरा रिकार्ड देखने के लिए मायआधार पोर्टल (myaadhaar.uidai.gov.in) पर जाएं।

वहां पर लॉगइन के लिए अपना आधार नंबर और कैप्चा कोड डालें। फिर 'Login with OTP' का विकल्प चुनें, पुनः रजिस्टर्ड मोबाइल पर आए OTP को डालें, फिर ऑथेंटिकेशन हिस्ट्री सेक्शन में जाएं। तत्पश्चात यहां पर आप देख सकते हैं कि आधार का किसने, कब और किस-किस जगह पर इस्तेमाल किया है। यहाँ आप पिछले 6 महीनों तक की अपनी आधार ऑथेंटिकेशन की सारी गतिविधि देख पायेंगे, जिसमें यह जानकारी होती है कि कब, कहाँ और किस प्रकार आपका आधार इस्तेमाल हुआ (जैसे बायोमेट्रिक या OTP से)।

वहीं, आप डेट सीमा और ऑथेंटिकेशन के प्रकार को चुनकर हिस्ट्री फ़िल्टर कर सकते हैं। इसके साथ ही आप इस हिस्ट्री का PDF डाउनलोड भी कर सकते हैं, जिसे भविष्य की जरूरत के लिए सेव या प्रिंट भी कर सकते हैं।



हैं। अगर आपको कोई संदिग्ध या अनधिकृत उपयोग दिखे, तो आप UIDAI की वेबसाइट पर जाकर "File a Complaint" विकल्प के माध्यम से शिकायत दर्ज कर सकते हैं या UIDAI हेल्पलाइन नंबर 1947 पर संपर्क कर सकते हैं।

दरअसल, इस प्रक्रिया से आपको पता चल जाएगा कि आपका आधार कहाँ-कहाँ और कैसे इस्तेमाल हो रहा है, जिससे आप अपनी पहचान को सुरक्षित रख सकते हैं। यह पूरा प्रोसेस लगभग 5 मिनट में पूरा हो जाता है और मोबाइल या कंप्यूटर दोनों से किया जा

सकता है। ऐसे में यदि कोई संदिग्ध गतिविधि आपको दिखाई पड़े तो आप 1947 पर कॉल करके या फिर help@uidai.gov.in पर मेल करके अपनी शिकायत दर्ज करें। वहीं, आप अपने आधार की बायोमेट्रिक जानकारी लॉक करने के लिए UIDAI साइट पर 'Lock/Unlock Biometrics' सेवा इस्तेमाल करें। इसके अलावा, 16 डिजिट की Virtual ID (VID) का इस्तेमाल करें, ताकि हर जगह पर आपका आधार नंबर शेयर न हो।

जहां तक पैन कार्ड के दुरुपयोग का सवाल है तो आप इसके मिसयूज का पता करें। खासकर पैन का अनाधिकृत प्रयोग देखने के लिए क्रेडिट रिपोर्ट (CIBIL, Experian या CRIF हाई मार्क) निकालें। साथ ही, फॉर्म 26 AS और क्रेडिट रिपोर्ट की जांच करें। अगर इसमें आपके नाम से कोई संदिग्ध लोन या ट्रांजैक्शन दिखे, तो वह मिसयूज है। तत्पश्चात आप टैक्स इन्फॉर्मेशन नेटवर्क या इनकम टैक्स साइट पर जाकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

अतिरिक्त सावधानी के लिए आप अपने पैन की फ 'Only for SIM Card', ताकि उमका गलत इस्तेमाल ना हो। इसके अलावा, आप अपना पैन कार्ड सिर्फ RBI/SEBI अप्रूव्ड कंपनियों को ही दें, किसी भी अनाधिकृत ऐप या वेबसाइट पर ना दें।

वहीं, आपकी सुरक्षा के लिए यह टिप्स बहुत जरूरी प्रतीत होता है कि आप अपना आधार कार्ड या पैन कार्ड किसी भी अनजान या गैर-आधिकारिक व्यक्ति या फिर संस्था को ना दें। साथ ही हर कुछ माह में क्रेडिट रिपोर्ट और आधार की ऑथेंटिकेशन हिस्ट्री जरूर चेक करें। साथ ही, फ़िंगरप्रिंट/आइरिस लॉक, मोबाइल नंबर अपडेट आदि की सुविधा UIDAI साइट पर उपलब्ध है। इसके अलावा, आप अनावश्यक ऐप्स को आधार या पैन का एक्सेस न दें, और उनकी प्राइवसी पॉलिसी को जरूर पढ़ें।

खासकर पैन कार्ड के दुरुपयोग पर क्रेडिट रिपोर्ट चेक करने के लिए आप इन सरल चरणों का पालन कर सकते हैं-सबसे पहले भारत की किसी प्रमुख क्रेडिट ब्यूरो वेबसाइट जैसे CIBIL, Experian, Equifax या CRIF High Mark पर जाएं। ये एजेंसियां आपके नाम पर लिए गए सभी लोन और क्रेडिट कार्ड के रिकॉर्ड रखती हैं।

बिना मैसेज पढ़े ग्रुप चैट की कैसे मिलेगी Summary, समझें आसान Process

मेटा स्वामित्व WhatsApp अपने यूजर्स के लिए तमाम नए फीचर्स और सुविधा लेकर आता है। इस बार WhatsApp ग्रुप चैट के लिए कमाल का फीचर्स लेकर आया है। दरअसल, वॉट्सएप के ग्रुप और इंडिविजुअल चैट में हर रोज कई सारे मैसेज आते हैं। यदि आपके ऑफ़िस के काम का ग्रुप वॉट्सएप बना हुआ है, तो कुछ ही घंटों में कई मैसेज आ जाते हैं। कई बार ढेर सारे मैसेज पढ़ने के चक्कर में कुछ जरूरी मैसेज छूट जाते हैं। यूजर्स को होने वाली इस असुविधा को दूर करने के लिए वॉट्सएप ने यूजर्स के लिए चैट समसराइज का फीचर पेश किया है। असल में यह



Meta AI से जुड़ा हुआ एक फीचर है, जो कि वॉट्सएप के ग्रुप और इंडिविजुअल चैट के मैसेज समराइज करता है।

WhatsApp मैसेज **Ai-समरी** फीचर कैसे इस्तेमाल करें? मशीनलर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

स्टेप 1- सबसे पहले

स्टेप 4- अब आपके स्क्रीन पर नई स्क्रीन दिखाई देगी, जिसमें टर्म्स को आपके एक्सेप्ट करना होगा और कंटीन्यू बटन दबाना है।

स्टेप 5- कुछ समय बाद वॉट्सएप पर आपको चैट की समरी दिखेगी, जिसे आप पढ़ सकते हैं।

वॉट्सएप के समराइज फीचर को यूज करने के फ़ायदे इस फीचर की मदद से मैसेज को समराइज करने के लिए Meta AI इस्तेमाल करने के कई फ़ायदे हैं। चैट समराइज की मदद से आप लंबे मैसेज श्रेड्स को आसानी से पढ़ सकते हैं। इससे आपको लंबा समय बच सकता है।

Maruti Suzuki ने Baleno Facelift को 6.10 लाख की शुरुआती कीमत पर हुआ लॉन्च

Maruti Suzuki ने अपनी पॉपुलर प्रीमियम हैचबैक Baleno का नया फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च कर दिया है. इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 6.10 लाख रुपये रखी गई है. इस अपडेट के साथ Baleno के लुक में कुछ छोटे बदलाव देखने को मिलते हैं, वहीं केबिन में नए फीचर्स और सेफ्टी को भी पहले से बेहतर किया गया है. लेकिन सबसे बड़ा बदलाव इसके इंजन में देखने को मिलेगा. नई Baleno में कंपनी ने 1.2-लीटर का 3-सिलेंडर नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया है. यही इंजन Maruti Suzuki Swift और Dzire में भी यूज किया जाता है.

Maruti Suzuki Baleno Facelift: एक्सटीरियर-फेसलिफ्टेड Baleno में पहले के मुकाबले ज्यादा स्लिम LED हेडलैंप दिए गए हैं, वहीं नई ग्लिल अब पहले से काफी बड़ी हो गई है. ग्लिल में ट्रिपल-स्लेट डिजाइन मिलता है, जो कार के फ्रंट लुक को पहले से ज्यादा स्टायलिश बनाता है. फ्रंट बंपर को भी नया और ज्यादा स्कलटेड डिजाइन दिया गया है. हालांकि, साइड प्रोफाइल को पहले जैसा ही रखा गया है. यहां क्रोम फेंडर गार्निश और शार्क-फिन एंटीना देखने को मिलता है. पीछे की तरफ टेल लैंप और रियर बंपर के डिजाइन में मामूली बदलाव दिए गए हैं. इसके अलावा, Baleno को नए डिजाइन के अलॉय व्हील्स भी मिले हैं.

Maruti Suzuki Baleno Facelift: इंटीरियर और फीचर्स-2026 Maruti Suzuki



Baleno के केबिन में डुअल-टोन थीम देखने को मिलती है, जहां ब्लू और ब्लैक कलर का कॉम्बिनेशन इसे प्रेशा लुक देता है. डैशबोर्ड का लेआउट काफी हद तक मौजूदा मॉडल जैसा ही रखा गया है. बीच में प्लॉटिंग डिजाइन वाला इंफोटेनमेंट स्क्रीन मिलता है, जबकि जरूरी कंट्रॉल्स के लिए फिजिकल बटन दिए गए हैं. स्टीयरिंग व्हील का डिजाइन भी पुराने मॉडल जैसा ही है और इसमें म्यूजिक, काल समेत दूसरे फंक्शन्स को कंट्रोल करने के लिए माउंटेड कंट्रॉल्स मिलते हैं. इसमें अब बड़ा 10.1-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलता है, जबकि पुराने मॉडल में 9-इंच की स्क्रीन दी जाती थी. वहीं, इसके लोअर वॉरिएंटस में 7-इंच की छोटी स्क्रीन मिलती थी. नई स्क्रीन में Wireless Apple CarPlay और Android Auto का सपोर्ट

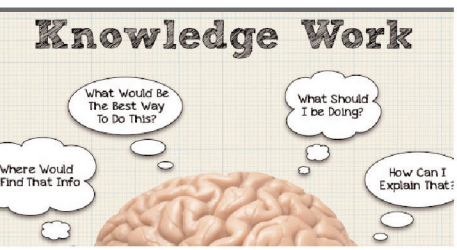
दिया गया है. इसके साथ Clarion का प्रीमियम साउंड सिस्टम भी मिलता है. फीचर्स की लिस्ट यही खत्म नहीं होती. नई Baleno में अब वायरलेस चार्जर, वेंटिलेटेड सीट्स और Level 2 ADAS जैसे फीचर्स भी शामिल किए गए हैं. खास बात यह है कि Level 2 ADAS के साथ आने वाली यह भारत की सबसे किफायती हैचबैक में से एक बन गई है. प्री-फेसलिफ्ट मॉडल में मिलने वाले कई फीचर्स को नए मॉडल में भी बरकरार रखा गया है. इनमें Head-Up Display, 360-डिग्री कैमरा, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और SB चार्जिंग पोर्ट जैसे फीचर्स शामिल हैं. सभी वॉरिएंटस में 6 एयरबैग्स मिलते हैं, जबकि ABS के साथ EBS,

टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और हिल-होल्ड असिस्ट जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं.

Maruti Suzuki Baleno Facelift: इंजन और गियरबॉक्स फेसलिफ्ट के साथ कार के पावरट्रेन में भी बड़ा बदलाव देखने को मिलता है. अब इसमें 1.2-लीटर, 3-सिलेंडर नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन (Z12E) दिया गया है. यही इंजन Maruti Suzuki Swift और Dzire जैसे मॉडल्स में भी यूज होता है. ट्रांसमिशन की बात करें तो इस इंजन के साथ दो ऑप्शन मिलते हैं. इसमें 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के अलावा 4-MT ऑटोमैटिक का ऑप्शन भी दिया गया है. इसके अलावा, कार का CNG वर्जन भी आने की उम्मीद है. हालांकि, लॉन्च के दौरान Maruti की ओर से इसकी कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं दी गई.



पूरब टाइम्स





नींबू पानी को एक प्राकृतिक, ताजगी देने वाला और हेल्दी ड्रिंक माना जाता है। गर्मियों में तो यह और भी ज्यादा लाभदायक साबित होता है। लेकिन वया आप जानते हैं कि इसे खाली पेट पीना हर किसी के लिए सही नहीं होता? आइए जाने इसके फ़यदे, नुकसान और सावधानियां जिन्हें ध्यान में रखना जरूरी है।

नींबू पानी के सेहत से जुड़े फ़यदे

नींबू पानी में विटामिन ए भरपूर मात्रा में होता है, जो शरीर को कई तरह से फ़यदा पहुंचाता है यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, जिससे बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। नींबू पानी शरीर से टॉक्सिन्स (विषैले तत्व) बाहर निकालने में मदद

खाली पेट नींबू पानी पीने से पहले ध्यान रखें ये जरूरी बातें

करता है। पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है और पेट हल्का महसूस होता है। यह स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाता है।

मेटाबोलिज्म को तेज करता है, जिससे वजन घटाने में सहायता मिलती है। सुबह-सुबह पीने से हाइड्रेशन बढ़ता है, थकान कम होती है और एनर्जी का स्तर अच्छा बना रहता है।

लेकिन क्या यह हर किसी के लिए सुरक्षित है?

हालाकि नींबू पानी के कई फ़यदे हैं लेकिन इसे हर कोई खाली पेट नहीं पी सकता। नींबू में सिट्रिक एसिड की मात्रा अधिक होती है जो कुछ लोगों के लिए हानिकारक साबित हो सकती है।

पेट में जलन और एसिड रिफ्लक्स जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। लंबे समय तक खाली पेट सेवन

करने से pH बैलेंस बिगड़ सकता है। दांतों के एनामेल पर असर डालता है, जिससे दांत कमजोर और सेंसिटिव हो सकते हैं।

किन लोगों को नहीं पीना चाहिए खाली पेट नींबू पानी?

पेट से जुड़ी समस्याओं वाले लोग: जिन्हें गैस्ट्रिक अल्सर, एसिड रिफ्लक्स, हार्टबर्न या बार-बार पेट फूलने की समस्या है, उन्हें नींबू पानी खाली पेट नहीं पीना चाहिए। नींबू का तेज एसिड पेट की भीतरी परत को और अधिक संवेदनशील बना सकता है।

दांतों की सेंसिटिविटी वाले लोग: अगर आपके दांतों में सेंसिटिविटी है या एनामेल पहले से ही कमजोर



है, तो नींबू पानी आपके दांतों को और नुकसान पहुंचा सकता है।

किडनी और ब्लड प्रेशर के मरीज: किडनी से जुड़ी बीमारी या लो ब्लड प्रेशर वाले लोगों को भी नींबू

पानी खाली पेट लेने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप नींबू पानी का सेवन करना चाहते हैं, तो इन बातों को जरूर ध्यान में रखें गुनगुने पानी में आधा नींबू मिलाकर पीना ज्यादा फ़यदेमंद होता है। नींबू की मात्रा संतुलित रखें, बहुत ज्यादा नींबू न डालें। नींबू पानी पीने के बाद साफ़पानी से कुल्ला करें ताकि दांतों को नुकसान न हो। जिन लोगों को एलर्जी, लो BP, या किडनी की समस्या है, वे डॉक्टर की सलाह लेकर ही इसका सेवन करें। दांतों की सेंसिटिविटी हो तो स्ट्रॉ (straw) का इस्तेमाल करें ताकि नींबू का असर सीधे दांतों पर न पड़े। अगर आपको एसिडिटी की दिक्कत है, तो नींबू पानी खाली पेट पीने से बचें। नींबू पानी सेहत के लिए बहुत लाभदायक हो सकता है, लेकिन यह

तभी फ़यदेमंद है जब इसे सही समय, सही मात्रा और सही तरीके से लिया जाए। हर शरीर की प्रकृति अलग होती है,इसलिए जरूरी है कि हम अपनी स्थिति के अनुसार इस हेल्दी ड्रिंक का सेवन करें। जरा सी सावधानी आपको लंबे समय तक फिट और एनर्जेटिक बनाए रख सकती है।



जायका

घर पर बनाएं झटपट टेस्टी और क्रिस्पी साबूदाना फ्राइज

त्योहार खुशियां और स्वादिष्ट खाने का आनंद लेकर आता है। अगर आप पर्व को खास बनाना चाहते हैं तो आपके लिए एक बेहद स्वादिष्ट और आसान रेसिपी लेकर आए हैं साबूदाना फ्राइज। यह फ्राइज न केवल चटपटा और कुरकुरा होता है, बल्कि इसे बनाना भी बहुत आसान है। साथ ही यह सैंक के तौर पर या हल्का नाश्ता बनाने के लिए एक बेहतरीन ऑप्शन है। आइए जानते हैं साबूदाना फ्राइज बनाने की पूरी विधि

साबूदाना फ्राइज के लिए सामग्री:

साबूदाना (साबूदाना) – 1 कप

आलू – 2 मध्यम आकार के (उबले हुए)

हरी मिर्च – 1–2 (बारीक कटी हुई)

हरा धनिया – 2 टेबलस्पून (कटा हुआ)

सेधा नमक – स्वादानुसार

काली मिर्च पाउडर – 1/2 टीस्पून

चाट मसाला – 1 टीस्पून

कॉर्न फ्लोर या बेसन – 2 टेबल स्पून (पेस्ट बनाने के लिए)

तेल – तलने के लिए

साबूदाना फ्राइज बनाने की विधि:

- सबसे पहले साबूदाना को कम से कम 4–5 घंटे के लिए या रात भर पानी में भिगोकर रख दें। साबूदाना को भिगोते समय ध्यान रखें कि पानी सिर्फ साबूदाना को ढकने के लिए हो, ज्यादा पानी न डालें। भिगोने के बाद साबूदाना को अच्छी तरह छान लें ताकि पानी निकल जाए।
- आलू को छीलकर अच्छे से उबाल लें। उबालने के बाद उन्हें ठंडा होने दें और फिर अच्छे से मैश कर लें ताकि कोई गांठ न रहे।
- एक बड़े कटोरे में भिगोया हुआ साबूदाना और मैश किए हुए आलू डालें। अब इसमें कटी हुई हरी मिर्च, हरा धनिया, सेंधा नमक, काली मिर्च पाउडर और चाट मसाला डालकर अच्छी तरह मिलाएं।
- मिश्रण में थोड़ा कॉर्नफ्लोर या बेसन डालें ताकि मिश्रण ज्यादा गीला न हो और फ्राइज बनाते समय वह टूटे नहीं। ध्यान रखें कि मिश्रण ज्यादा



ढीला या गीला न हो। अब इस मिश्रण से छोटे-छोटे फ्राइज के आकार में टिकी जैसा आकार दें। कोशिश करें कि फ्राइज पतले और बराबर हों ताकि वह अच्छे से क्रिस्पी बनें।

5. कढ़ाई में तेल गरम करें। तेल गर्म होने पर सावधानी से फ्राइज को तेल में डालें और मध्यम आंच पर सुनहरा और क्रिस्पी होने तक तलें। फ्राइज को पलटते रहें ताकि वह सभी तरफ से बराबर तल जाएं।

तले हुए फ्राइज को पेपर टॉवल पर निकालकर अतिरिक्त तेल सोख लें। अब गरमा गरम साबूदाना फ्राइज को हरी चटनी या टमाटर सॉस के साथ परोसें। तो इंतजार किस बात का? आज ही साबूदाना फ्राइज बनाएं और

सावन की ठंडी-ठंडी बारिश में इसका आनंद लें!



अब स्लीवलेस पहनने में नहीं होगी हिचकिचाहट

आजकल स्लीवलेस टॉप्स, कुर्तियां और ड्रेसेज फैशन में हैं, लेकिन कई महिलाएं और लड़कियां इन्हें पहनने से हिचकिचाती हैं। वजह? काले अंडरआर्म्स। ये कोई मामूली परेशानी नहीं है, बल्कि इससे आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है। इसी कारण महिलाएं कई बार मनपसंद कपड़े पहनने से बचती हैं।

क्रीम और डियो से नहीं मिलता स्थायी समाधान

बाजार में अंडरआर्म्स को गोरा करने वाले कई क्रीम, स्प्रे और डियो मौजूद हैं। हालांकि ये सिर्फ अस्थायी (टेम्परेरी) असर करते हैं और लंबे समय में कोई खास फ़यदा नहीं देते। उल्टा इनसे स्किन पर साइड इफ़ेक्ट्स होने का खतरा भी बना रहता है।

आयुर्वेद देगा स्थायी और सुरक्षित नतीजे

अगर आप केमिकल प्रोडक्ट्स से थक चुके हैं, तो अब वक्त है कि घर में मौजूद चीजों से बने आयुर्वेदिक नुस्खों को अपनाएं। डॉ. उपेंद्र बहादुर, एक आयुर्वेदिक एक्सपर्ट, ने हाल ही में एक वीडियो में ऐसा नुस्खा बताया है जिसे सप्ताह में दो बार इस्तेमाल करने से अंडरआर्म्स का कालापन हमेशा के लिए दूर हो सकता है।

नुस्खे में क्या-क्या लगेगा?

इस आसान घरेलू नुस्खे को बनाने के लिए



ज़रूरत होगी इन चीजों की:

1 चम्मच हल्दी

1 चम्मच बेसन

थोड़ा टमाटर का रस

1 चम्मच दूध

(मात्रा ज़रूरत के अनुसार घटा-बढ़ा सकते हैं)

कैसे बनाएं पेस्ट?

एक बाउल में हल्दी और बेसन को मिलाएं। फिर इसमें टमाटर का रस डालें और अच्छे से मिलाएं। जब गाढ़ा पेस्ट बन जाए, तो इसमें दूध मिला लें।

आपका पेस्ट तैयार है! इसे अंडरआर्म्स पर लगाएं

और 15–20 मिनट बाद धो लें। इस नुस्खे को हफ्ते में दो बार नियमित रूप से इस्तेमाल करें।

इन चीजों के फ़यदे क्या हैं?

हल्दी–एंटीसेप्टिक और स्किन ब्राइटनिंग एजेंट स्किन की गहराई से सफ़ाई करता है काले धब्बे और दाग हल्के करता है बेसन –नेचुरल ब्लीचिंग गुण डेड स्किन हटाकर त्वचा को एक्सफ़ोलिएट करता है स्किन की रंगत निखारता है

टमाटर का रस

टैनिंग और डेड स्किन हटाने में मददगार नेचुरल ब्लीच और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर त्वचा को चमकदार बनाता है दूध –लैक्टिक एसिड से भरपूर डेड स्किन सेल्स हटाकर त्वचा को सॉफ़्ट और फेंयर बनाता है नमी बनाए रखता है

इस घरेलू उपाय की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह सस्ता, सुरक्षित और प्राकृतिक है। इसका कोई साइड इफ़ेक्ट नहीं होता और नियमित उपयोग से असर साफ नजर आता है। अब महिलाएं और लड़कियां आत्मविश्वास के साथ अपने पसंदीदा स्लीवलेस कपड़े पहन सकती हैं।

सोमवार को जारी एक लाख से ज्यादा युवाओं पर किए गए एक वैश्विक अध्ययन के अनुसार, जिन बच्चों के पास 13 साल की उम्र से पहले स्मार्टफ़ोन होता है, उनके शुरुआती वयस्क जीवन में खराब मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण का अनुभव करने की संभावना ज्यादा होती है। स्मार्टफ़ोन सोशल मीडिया तक जल्दी पहुंच प्रदान करते हैं और वयस्क होने तक साइबर बदमाशी, नींद में खलल और खराब पारिवारिक संबंधों के जोखिम को बढ़ाते हैं।

बच्चों में हो रही आत्म-सम्मान की कमी

जर्नल ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट एंड कैपेबिलिटीज में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि 18 से 24 साल के जिन युवाओं को 12 साल या उससे कम उम्र में अपना पहला स्मार्टफ़ोन मिला था, उनमें आत्महत्या के विचार, आक्रामकता, वास्तविकता से अलगाव, कमजोर भावनात्मक नियंत्रण और कम आत्म-सम्मान की शिकायत होने की संभावना ज्यादा थी।

वैज्ञानिकों ने कहा– हमारे आंकड़े दर्शाते हैं कि कम उम्र में स्मार्टफ़ोन का इस्तेमाल -- और इसके साथ अवसर सोशल मीडिया का इस्तेमाल -- शुरुआती वयस्कता में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण में गहरे बदलाव से जुड़ा है,।



स्मार्टफ़ोन को बैन करना जरूरी

वैज्ञानिकों ने भावी पीढ़ियों के मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई का आह्वान किया, क्योंकि उनके लक्षण पारंपरिक अवसाद और चिंता जैसे नहीं हैं, और मानक जांच प्रक्रियाओं का उपयोग करने वाले अध्ययनों में ये लक्षण नज़रअंदाज हो सकते हैं। शोधकर्ताओं ने नीति निर्माताओं से शराब और तंबाकू पर नियमों के समान एक एहतियाती दुष्प्रकोण अपनाने का आग्रह किया, जिसमें 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए स्मार्टफ़ोन की पहुंच को प्रतिबंधित किया जाना शामिल है। उन्होंने डिजिटल साक्षरता शिक्षा को अनिवार्य बनाने और कॉर्पोरेट जवाबदेही

लागू करने का भी आह्वान किया।

इन देशों में बच्चों की पहुंच से दूर हैं फ़ोन

हाल के वर्षों में, कई देशों ने संस्थानों में मोबाइल फ़ोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है या उसे सीमित कर दिया है, जिनमें फ़्रांस, नीदरलैंड, इटली और न्यूजीलैंड शामिल हैं। अमेरिका के कई राज्यों ने भी ऐसे कानून पारित किए हैं जिनमें स्कूलों के लिए ऐसी नीतियां बनाना अनिवार्य किया गया है जो कम से कम बच्चों के लिए स्मार्टफ़ोन तक पहुँच को सीमित करें। अध्ययन के अनुसार जिन युवा वयस्कों को 13 वर्ष की आयु से पहले अपना पहला स्मार्टफ़ोन मिला था, उनके स्नात्कस्कोर कम थे, और पहली बार स्मार्टफ़ोन खरीदने की उम्र जितनी कम होती गई, स्कोर उतना ही कम होता गया।



प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर ये जादुई झरने काफी मनमोहक एवं सुकूनदायक हैं

दुनिया भर में प्राकृतिक सुंदरता का एक अनोखा अनुभव झरनों में देखने को मिलता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा काफी मनमोहक होता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा देखना लोगों के मन को सुकून पहुंचाने के साथ रोमांच का अनुभव कराता है।

बता दें कि दुनिया में कई ऐसे झरने हैं, जिनकी ऊंचाई और सुंदरता उनको खास बनाती है। इन झरनों की ऊंचाई सुनकर कोई भी चौंक जाएगा, वही इनकी सुंदरता भी उतनी ही सुकूनदायक है।

पहाड़ों, गहरी घाटियों और हरियाली बीच बहते हुए यह झरने प्राकृतिक कला का अनूठा और अद्वितीय उदाहरण है। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी हैं और घूमने के भी शौकीन हैं, तो आपको दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों के बारे में बताते जा रहे हैं।



वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिकी महादीप पर एक देश है। जहां पर एंजेल फॉल्स बहता है। वेनेजुएला का यह एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। जोकि वेनेजुएला के केनेमा नेशनल पार्क में स्थित है। इस झरने की धारा इतनी ऊंचाई से गिरती है कि पानी नीचे तक पहुंचते-पहुंचते बारीक-बारीक बूंदों में बदल जाता है।



टुगेल फॉल्स, दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका में मौजूद टुगेल फॉल्स की ऊंचाई 3,110 फीट है। बारिश के मौसम में यहां का नजारा देखने लायक है। यह रॉयल नेटल नेशनल पार्क के ड्रेकेन्सबर्ग माउंटेन्स पर स्थित है।

थ्री सिस्टर्स फॉल्स, पेरू

पेरू एक बेहद खूबसूरत जगह है, जहां पर आपको थ्री सिस्टर्स फॉल्स नाम का शानदार जलप्रपात देखने को मिलेगा। यह अमेजन जंगल के बीच स्थित है और तीन स्तरों में बहता है। इसी वजह से इसका नाम ‘थ्री सिस्टर्स’ पड़ा। ट्रैकिंग और रोमांच पसंद करने वालों के लिए यह जगह ज़रत से कम नहीं है।

ओलूपेना फॉल्स, हवाई

संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई में करीब 900 मीटर की ऊंचाई पर ओलूपेना फॉल्स है। ओलूपेना फॉल्स सीधे समंदर से लगती चट्टानों से गिरता है और सिर्फबोट या हेलिकॉप्टर से ही देखा जा सकता है।

युबिला फॉल्स, पेरू

बता दें कि युबिला फॉल्स सबसे ऊंचे झरनों में शामिल है, यह पेरू में है। हाल ही में खोज में यह झरना पाया गया है। जोकि पेरू के घने जंगलों में छिपा है और अब धीरे-धीरे फेमस हो रहा है। यहां पर आपको चारों ओर मनमोहक नजारा देखने को मिलेगा।



लोकप्रिय वेब सीरीज पंचायत के पांचवें सीजन का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए निर्देशक दीपक कुमार मिश्रा ने महत्वपूर्ण अपडेट साझा की



ओटीटी लवर्स हमेशा किसी न किसी वेब सीरीज या फ़िल्मों की रिलीज के लिए इंतजार जरूर रहता है। मनोरंजन के मामले में भारत में सबसे ज्यादा इस लोकप्रिय वेब सीरीज को पसंद किया गया है। ‘पंचायत’ वेब सीरीज हर किसी की फेवरेट है, इसको ऑडियांस द्वारा काफी पसंद भी किया गया है। हर कोई इसके सीजन का इंतजार करता रहता है।

आपको बताते चलें कि, पिछले 6 सालों में इस सीरीज और इसके चारों सीजन फैंस के

फेवरेट माने गए हैं। वहीं, अब ‘पंचायत 5’ सीजन का लोग काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब दर्शक पंचायत 5 ओटीटी पर कब आएगा, इसका इंतजार कर रहे हैं।

आइए आपको इस बारे में बताते हैं-पंचायत 5 की रिलीज डेट आई सामने

इस दौरान पंचायत 5 की रिलीज डेट को लेकर काफी खबरें सामने आ रही हैं। दरअसल, पहले जानकारी आई थी इसका सीजन बीते जून और जुलाई में स्ट्रीम किया जाएगा। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं। जितेंद्र कुमार स्टारर इस सीरीज में गांव के परिवेश को बखूबी से दिखाया गया है। इस दौरान, पंचायत के डायरेक्टर दीपक कुमार मिश्रा ने खुद पंचायत 5 की ओटीटी रिलीज डेट को लेकर आधिकारिक तौर पर मुख्य जानकारी सामने आई है।

इंडिया टुडे के लेटेस्ट इंटरव्यू में दीपक ने बताया है कि- अभी एडिटिंग का काम चल रहा है। रिलीज की सही तारीख अभी तय नहीं की गई है। अक्तूबर या नवंबर के आसपास हो सकता है। इस सीजन में सभी की जिंदगी आगे बढ़ेगी।

उन्होंने आगे बताया कि, चुनाव खत्म हो चुके हैं, प्रधान जी हार गए हैं। लेकिन कहानी में यह दिखाया जाएगा कि उसके बाद उनकी जिंदगी कैसे आगे बढ़ती है और दूसरे किरदारों की जिंदगी में क्या बदलाव आता है।

स्प्लिट्सविल्ला 16 के बाद अब बॉल्ड एक्ट्रेस सौंदर्या शेट्टी ‘बिग बॉस 13’ के घर में आग लगाने आ रही हैं

कन्नड़ टेलीविजन के रियलिटी शो ‘बिग बॉस कन्नड़ सीजन 13’ का आगाज 6 सितंबर को शाम 7 बजे किच्चा सुदीप की मेजबानी में होने जा रहा है. मेकर्स द्वारा जारी नए प्रोमो में जिस चेहरे ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है, वह कोई और नहीं बल्कि एमटीवी स्प्लिट्सविल्ला 16 फेम सौंदर्या शेट्टी हैं. स्प्लिट्सविल्ला में अपने धमाकेदार गेम और बॉल्ड पर्सनालिटी से दर्शकों का दिल जीतने वाली सौंदर्या की अब ‘बिग बॉस’ के घर में एंट्री लगभग पक्की मानी जा रही है. स्प्लिट्सविल्ला से लेकर रोडीज तक का सफ़र मंगलोर की रहने वाली सौंदर्या शेट्टी रियलिटी शोज की पुरानी और मझी हुई खिलाड़ी हैं. एमटीवी के मशहूर शो ‘स्प्लिट्सविल्ला 16’ में उनकी स्टूटेजी और बेबाक बोली ने उन्हें रातों-रात पॉपुलर बना दिया था. इससे पहले वह एमटीवी के ही एडवेंचर शो ‘रोडीज’ में भी अपनी ताकत का परिचय दे चुकी हैं और फइनलिस्ट तक का सफ़र तय किया था. अब स्प्लिट्सविल्ला का वही झुमा और रोडीज वाला एटीट्यूड लेकर वह बिग बॉस के घर में कदम रखने जा रही हैं.

2019 की मिस वर्ल्ड टीन और सोशल मीडिया स्टार ‘सैंडी’ - रियलिटी शोज के अलावा सौंदर्या ग्लैमर इंडस्ट्री में भी बड़ा नाम हैं. साल 2019 में उन्होंने ‘मिस वर्ल्ड टीन सुपरमॉडल’ का ताज अपने नाम किया था. सोशल मीडिया पर ‘सैंडी’ के नाम से मशहूर इस हसीना के इंस्टाग्राम पर 6 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं. स्प्लिट्सविल्ला के दौरान भी उनकी फैन फॉलोइंग में जबरदस्त इजाफ़ा हुआ था, जिसका फ़ायदा उन्हें बिग बॉस के वोटिंग ट्रेंड्स में मिलना तय माना जा रहा है ` क्या बिग बॉस के घर में भी बनेगा नया ‘कनेक्शन’? स्प्लिट्सविल्ला जैसे डेटिंग शो से निकलकर बिग बॉस के घर में कदम रखने वाली सौंदर्या से फैंस को काफी उम्मीदें हैं. दर्शकों को इंतजार है कि क्या वह बिग बॉस के घर में भी अपनी स्प्लिट्सविल्ला वाली स्टूटेजी और ग्लैमरस अंदाज को जारी रखेंगी या फिर यहां उनका एक नया और सख्त अवतार देखने को मिलेगा. किच्चा सुदीप के सामने उनकी यह नई पारी कन्नड़ दर्शकों के लिए काफी एंटरटेनिंग होने वाली है.



India’s Got Latent 2 में समय रैना ने मेधा शंकर को अपना ‘सबसे अच्छा दोस्त’ बताया

कॉमेडियन समय रैना और एक्ट्रेस मेधा शंकर की डेटिंग की खबरें इस साल काफी चर्चा में रही हैं। दोनों को कई मौकों पर साथ देखे जाने के बाद उनके रिश्ते को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि, दोनों ने अब तक अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इसी बीच इंडियाज गॉट लैटेन्ट 2 के एक एपिसोड में समय रैना ने मेधा को अपना ‘सबसे अच्छा दोस्त’ बताया है, जिसके बाद एक बार फिर दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

समय ने मेधा को बताया अपना सबसे अच्छा दोस्त

मेधा शंकर हाल ही में इंडियाज गॉट लैटेन्ट 2 के एक एपिसोड में नजर आईं। इस एपिसोड में वरुण धवन, निशांत तंवर और शोरोन वर्मा भी पैनल का हिस्सा थे। एपिसोड के दौरान जादूगर कबीर शर्मा एक मैजिक ट्रिंक कर रहे थे। उन्होंने समय रैना का फ़ोन लेकर उसे तीन लिफ़फ़ों में से एक में रख दिया। इसके बाद गलत जवाब मिलने पर वह लिफ़फ़ों को हथौड़े से मार रहे थे। इसी दौरान कबीर ने समय से पूछा कि पैनल में उनका सबसे अच्छा दोस्त कौन है। समय ने बिना किसी झिझक के मेधा शंकर का नाम लिया। इसके बाद मेधा

को एक लिफ़फ़ चुनने के लिए कहा गया।

वरुण धवन की भी समय ने खिंचाई

शो में समय रैना ने वरुण धवन के साथ भी मजाक-मस्ती की। उन्होंने वरुण को पैनल में मौजूद लोगों में सबसे ‘स्माट’ बताया और इसकी वजह उनका ‘स्टूडेंट ऑफ़ द ईयर’ होना बताया। इस पर वहां मौजूद सभी लोग हंस पड़े। समय ने वरुण की फ़िफ़्ट बॉर्डर 2 को लेकर भी उनकी टांग खींची।

विवादों में रह चुका है शो

गौरतलब है कि इंडियाज गॉट लैटेन्ट पिछले साल भी विवादों में रहा था। रणवीर इलाहाबादिया, अपूर्वा मखीजा, आशीष चंचलानी और जसप्रीत सिंह वाले एपिसोड को लेकर सोशल मीडिया पर काफी विवाद हुआ था। एक आपत्तिजनक मजाक के बाद एफ़आईआर दर्ज हुई और कानूनी कार्रवाई भी की गई थी। विवाद के बाद शो को यूट्यूब से हटा दिया गया था। अब इसका दूसरा सीजन नेटफ़्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है।



भारतीय महिला हॉकी टीम ने मलेशिया को 11-1 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया

भारतीय महिला टीम ने रविवार को यहां एएचएफ जूनियर एशिया कप के एलीट पूल मुकाबले में मलेशिया को 11-1 से करारी शिकस्त देकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर जीत के साथ अभियान शुरू करने वाली भारतीय टीम की ओर से मलेशिया के खिलाफ सात अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए। भारत ने चार गोल मैदानी खेल से, पांच पेनल्टी कॉर्नर और दो पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए किए।

पूजा साहू ने पहले ही मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। चौथे मिनट में पूर्णिमा यादव ने गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी। गत चैंपियन भारत ने अपना दबदबा कायम रखते हुए आठवें मिनट में बिनिमा धन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जबकि 14वें मिनट में कृष्णा शर्मा ने एक और गोल कर दिया। पूर्णिमा ने दूसरे क्वार्टर में 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर अपना दूसरा गोल किया।

इसके बाद हाफटाइम से पहले दो और गोल हुए। सुखवीर कौर ने 21वें मिनट और गीता यादव ने 28वें मिनट में गोल किया, जिससे भारत मध्यांतर तक 7-0 से आगे था। मलेशिया ने 38वें मिनट में नूर मोहम्मद के गोल से खाता खोला, लेकिन इसके बावजूद मुकाबले पर भारत का दबदबा बरकरार रहा। मैच के 42वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बाद पूजा ने अपना दूसरा गोल पूरा किया।

इसके एक मिनट बाद सानिका चंद्रकांत माने ने गोल कर भारत की बढ़त 9-1 कर दी। गीता ने 53वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जबकि सानिका ने 58वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर



भारत को 11-1 की विशाल जीत दिला दी। इस जीत के साथ भारत ने दो मैचों में दो जीत दर्ज कर छह अंक हासिल किए और एलीट पूल की अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया।

चीन और जापान तीन-तीन अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। दोनों ने एक-एक मैच खेलकर जीत दर्ज की है और गोल अंतर के आधार पर चीन आगे है। दक्षिण कोरिया और मलेशिया दो-दो हार के बाद क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। भारत अब पूल चरण के अपने तीसरे मुकाबले में आठ सितंबर को जापान का सामना करेगा।

श्रेष्ठ नेतृत्व केवल अधिकार प्राप्त करने का नाम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने की कला है।

भगवान श्रीकृष्ण भारत की माटी, भारत की आत्मा और भारत के जनजीवन की धड़कन हैं। वे केवल आराधना के देवता नहीं, बल्कि जीवन को देखने की एक दृष्टि, संघर्षों से जुड़ने की प्रेरणा और भविष्य की ओर बढ़ने की दिशा हैं। वे ऐश्वर्य एवं वैराग्य का अद्भुत एवं निराला संगम हैं। श्रीकृष्ण के बिना भारतीय जीवन-दर्शन की कल्पना अधूरी है। जीवन के लगभग प्रत्येक आयाम-परिवार, समाज, राजनीति, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, युद्ध, शांति, प्रेम, मित्रता, कर्तव्य, त्याग, नेतृत्व और आध्यात्मिकता में श्रीकृष्ण के चिंतन और आदर्शों की छाप दिखाई देती है। इसीलिए जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि उनके विचारों को जीवन में

उतारने का अवसर है। श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्भुत एवं विलक्षण महानायक हैं, जिनके व्यक्तित्व में विरोधाभास दिखाई देने वाले अनेक गुण एक साथ समाहित हो जाते हैं। वे द्वारका के शासक हैं, लेकिन उन्हें सामान्यतः ‘राजा श्रीकृष्ण’ नहीं कहा जाता। वे ब्रजनंदन हैं, नंदलाल हैं, कन्हैया हैं, माखनचोर हैं, गोपियों के चितचोर हैं और रासरचेया हैं। यही उनकी महानता है कि सत्ता के शिखर पर पहुंचकर भी वे जनमानस से कभी दूर नहीं हुए। उनका नेतृत्व राजमहलों तक सीमित नहीं था, वह गांवों की गलियों, ग्वाल-बालों, किसानों, पशुपालकों और सामान्य जन के हृदय तक पहुंचता था।

श्रीकृष्ण का जीवन हमें सिखाता है कि श्रेष्ठ

नेतृत्व केवल अधिकार प्राप्त करने का नाम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने की कला है। उन्होंने सत्ता को कभी व्यक्तिगत सुख का साधन नहीं बनाया। समाज और राष्ट्र की व्यवस्था उनके लिए कर्तव्य थी और धर्म उनकी आत्मनिष्ठा। इसीलिए उन्होंने परिस्थितियों से पलायन नहीं किया। जहां प्रेम की आवश्यकता थी वहां प्रेम दिया, जहां मित्रता की आवश्यकता थी वहां मित्र बने, जहां संवाद जरूरी था वहां संवाद किया और जहां अधर्म का प्रतिकार आवश्यक हुआ वहां अत्यंत कठोर होकर सामने आए। यही संतुलन कुशल नेतृत्व की सबसे बड़ी पहचान है। आज प्रबंधन की दुनिया में निर्णय क्षमता, समय-प्रबंधन, संकट-प्रबंधन, नेतृत्व, संवाद-कोशल, मनोविज्ञान और रणनीति को सफलता की अनिवार्य शर्त माना जाता है। इन सभी क्षेत्रों में श्रीकृष्ण का जीवन असाधारण उदाहरण प्रस्तुत करता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन जब मोह और मानसिक द्वंद से धिक्कर अपने कर्तव्य से विमुख होने लगे, तब श्रीकृष्ण ने उन्हें केवल युद्ध के लिए प्रेरित नहीं किया, बल्कि जीवन का विराट दर्शन दिया। उन्होंने अर्जुन को कर्म का कर्म समझाया-मनुष्य का



अधिकार कर्म पर है, परिणाम पर नहीं। यह संदेश आज भी हर विद्यार्थी, कर्मचारी, उद्यमी, प्रशासक, राजनीतिज्ञ और सामान्य व्यक्ति के लिए उतना ही उपयोगी है।

हमारी सबसे बड़ी कमजोरी अक्सर कर्म से अधिक परिणाम की चिंता होती है। परिणाम की चिंता मन को भय, तनाव और असमंजस से भर देती है। श्रीकृष्ण का कर्मयोग इस मानसिक बोझ से मुक्ति का मार्ग देता है। अपने कर्तव्य को पूरी

निष्ठा, क्षमता और ईमानदारी से करना और परिणाम को व्यापक व्यवस्था पर छोड़ देना-यह जीवन-प्रबंधन का ऐसा सूत्र है जिसकी उपयोगिता कभी समाप्त नहीं हो सकती। श्रीकृष्ण की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक थी-स्थिर बुद्धि। शिशुपाल ने राजसूय यज्ञ की सभा में

उन्हें लगातार अपमानित किया, फिर भी वे शांत रहे। दुर्योधन के दरबार में शांति-दूत बनकर गए और वहां भी उनका अपमान हुआ, लेकिन वे विचलित नहीं हुए। इससे हमें सीख मिलती है कि उज्जना में लिया गया निर्णय प्रायः समस्या बढ़ाता है, जबकि शांत मन समाधान का रास्ता खोलता है। आधुनिक परिवारों से लेकर संसद, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों तक, यह प्रबंधन-सूत्र आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

श्रीकृष्ण केवल युद्धनीति के ज्ञाता नहीं थे, वे शांति के भी सबसे बड़े समर्थक थे। महाभारत का युद्ध उनकी पहली पसंद नहीं था। उन्होंने युद्ध रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया। जब संवाद और न्याय की संभावनाएं समाप्त हो गईं, तभी धर्म की रक्षा के लिए युद्ध का मार्ग स्वीकार किया गया। इससे स्पष्ट होता है कि शक्ति का अर्थ हिंसा नहीं, बल्कि न्याय की रक्षा करने की क्षमता है। सच्ची शांति वही है जिसके पीछे न्याय और आत्मबल की शक्ति हो। श्रीकृष्ण का सामाजिक दृष्टिकोण भी अत्यंत व्यापक था। उन्होंने ग्रामीण जीवन, गौ-संस्कृति, प्रकृति और सामुदायिक जीवन को सम्मान दिया। गोवर्धन प्रसंग हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामुदायिक एकता का संदेश देता है। माखन और दूध-दही के प्रसंगों को केवल बाल-क्रीड़ा के रूप में देखने के बजाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्थानीय संसाधनों की रक्षा का संदेश भी देखा जा सकता है। श्रीकृष्ण का लोकजीवन से जुड़ाव बताता है कि कोई भी राष्ट्र तभी मजबूत बन सकता है जब उसकी विकास-यात्रा गांवों, किसानों, श्रमिकों और सामान्य नागरिकों को साथ लेकर चले।

सार – संक्षेप

कांग्रेस संगठन में बड़ा फेरबदल
 नई दिल्ली/रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) ने पार्टी संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए कई वरिष्ठ नेताओं को अलग-अलग राज्यों का महासचिव और प्रभारी नियुक्त किया है। कांग्रेस अध्यक्ष के निर्देश पर पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने 5 सितंबर 2026 को नियुक्तियों की आधिकारिक घोषणा की। सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।
भूपेश बघेल को असम की कमान
 पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को असम का महासचिव प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं सुखदेव भगत को छत्तीसगढ़ का नया प्रभारी बनाया गया है। संगठन में यह बदलाव छत्तीसगढ़ कांग्रेस के लिए भी अहम माना जा रहा है।

विनोद तावड़े ने संभाली यूपी की चुनावी कमान



लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने में जुटी भाजपा ने अब संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल के साथ चुनावी रणनीति को जमीन तक पहुंचाने की कवायद तेज कर दी है। इसी सिलसिले में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।
 दोनों नेताओं के बीच संगठन, सरकार और आगामी विधानसभा चुनाव से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। तावड़े ने मुख्यमंत्री के सरकारी आवास 5-कालिदास मार्ग पर सीएम योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी जगदीश ईश्वरभाई पटेल भी मौजूद रहे। मुलाकात को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की रणनीतिक तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बाल विवाह रोकने के लिए 27 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय दिवस का प्रस्ताव पारित

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पेश उस प्रस्ताव को सह-प्रायोजित किया है, जिसमें बाल विवाह, कम उम्र में होने वाले विवाह और जबरन विवाह को रोकने के लिए हर साल 27 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई है। संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने शुक्रवार को सिएरा लियोन की अगुवाई में पेश किए गए ‘बाल, कम उम्र और जबरन विवाह उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस’ शीर्षक वाले प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी। भारत उन देशों में शामिल था, जिन्होंने इस प्रस्ताव को सह-प्रायोजित किया।

भारत में 27 नवंबर 2024 को ‘बाल विवाह मुक्त भारत’ अभियान शुरू किया गया था। इसका लक्ष्य 2026 तक बाल विवाह की घटनाओं में 10 प्रतिशत की कमी लाना और 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाना है। इस मुद्दे को सिएरा लियोन की प्रथम महिला और ‘ऑर्गनाइजेशन ऑफ़ अफ्रीकन फ़र्स्ट लेडीज फॉर डेवलपमेंट’



(ओएफएफएलएडी) की अध्यक्ष फतिमा मादा बायो तथा ‘जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन’ के संस्थापक भुवन रिभु ने भी प्रमुखता से उठाया था।
 दोनों ने बाल विवाह खत्म करने के लिए एक समर्पित वैश्विक दिवस घोषित करने की मांग की थी। महासभा में प्रस्ताव पारित होने के बाद रिभु ने ‘पीटीआई’ से कहा, ‘‘आज अंत की शुरुआत हुई

है, जब दुनिया ने एक आवाज में कहा है- अब और नहीं... यह वह शुरुआत है, जब दुनिया ने एक स्वर में अपनी बात कही है। अब कार्रवाई का समय है, हमें कदम उठाना चाहिए।
 27 नवंबर से कार्रवाई शुरू होती है।’’ सिएरा लियोन ने भारत समेत करीब 70 देशों के समर्थन से 27 नवंबर को बाल विवाह खत्म करने के लिए समर्पित वैश्विक दिवस घोषित करने के उद्देश्य से यह प्रस्ताव पेश किया था। रिभु ने कहा कि प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद दुनियाभर की सरकारों को व्यापक कानून बनाने, बजट के साथ राष्ट्रीय कार्ययोजनाएं तैयार करने और जिम्मेदार एवं जवाबदेह संस्थान सुनिश्चित करने के जरिए निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है। प्रस्ताव में सदस्य देशों से बाल, कम उम्र और जबरन विवाह को खत्म करने के लिए व्यापक तथा विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करने वाली राष्ट्रीय रणनीतियां और कार्ययोजनाएं विकसित करने और उन्हें लागू करने की प्रक्रिया जारी रखने का आग्रह किया गया है।

प्राकृतिक

आरोग्य रस



हमारे यहां जवाा, आंवला, लोकी, करेली, बीट (वुकन्दर), नीम का ताज़ा रस मिलता है।

अंकुरित अनाज़, अलसी और सभी प्रकार के अचार मिलते हैं।

स्थान-

- नेहरू नगर, गुरुद्वारा रोड, भेलवा पार्क के पास, संपर्क- 8962668141
- सेक्टर-1 अंबेडकर पार्क के सामने, संपर्क- 8349688865

साउथ वेस्ट दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को अचानक ढही एक पांच मंजिला इमारत

दिल्ली । सत्य निकेतन के पास रविवार दोपहर एक 5 मंजिला इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के बाद दिल्ली फ़ायर सर्विस, दिल्ली पुलिस, एनडीआरएफ़ एमसीडी और स्थानीय प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंची और बड़े स्तर पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।
 मलबा हटाने के लिए जेसीबी समेत दूसरी मशीनों की मदद ली जा रही है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, अब तक दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। हालांकि, मलबे में अभी भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका है।

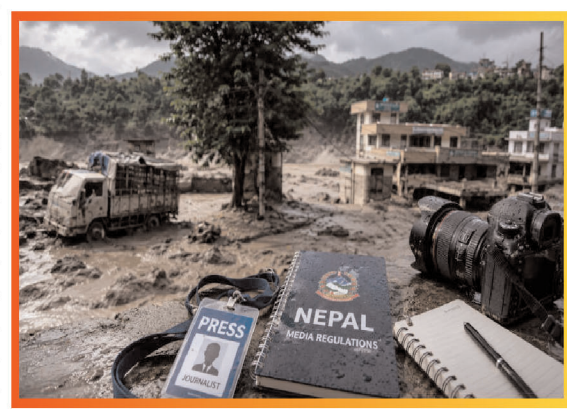


आवाज सुनाई दी। चश्मदीद के मुताबिक, आवाज इतनी तेज थी कि ऐसा लगा जैसे भूकंप आ गया हो।
 उसने बताया कि बाहर निकलने पर पूरे इलाके में धूल और धुआं फैला हुआ था और इमारत

पूरी तरह मलबे में तब्दील हो चुकी थी। चश्मदीद ने दावा किया कि कुछ लोगों के शव भी निकाले गए हैं, जबकि कुछ बच्चों को जिंदा बाहर निकाला गया।
 मलबे के अंदर से बच्चे बचाने की आवाज लगा रहे हैं
 चश्मदीद के मुताबिक, मलबे के अंदर से अभी भी लोगों की आवाजें सुनाई दे रही हैं। उसने दावा किया कि अंदर से बच्चे लगातार मदद के लिए आवाज लगा रहे हैं। उसके अनुसार, मौके पर करीब 25 से 30 बच्चों के होने की बात सामने आई है।
 आसपास लड़कों और लड़कियों के PG भी बताए जा रहे हैं। चश्मदीद ने 4-5 लोगों के रेस्क्यू और 2-3 शव निकाले जाने का दावा किया है। हालांकि, इन आंकड़ों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

नेपाल सरकार ने बाढ़ प्रभावित इलाकों की कवरेज करने वाले पत्रकारों के लिए मीडिया सुरक्षा संबंधी नए नियम किए लागू

काठमांडू। नेपाल ने 26 अगस्त को आई बाढ़ से प्रभावित इलाकों का दौरा करने वाले पत्रकारों के लिए मीडिया सुरक्षा और संचालन संबंधी प्रोटोकॉल जारी किया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से रिपोर्टिंग करने के इच्छुक विदेशी पत्रकारों को प्रेस मान्यता हासिल करनी होगी। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने रविवार को बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने वाले पत्रकारों के लिए



इसके अलावा, नेपाल के सूचना एवं प्रसारण विभाग ने एक नोटिस जारी किया है। इसके तहत भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों के किनारे बाढ़ प्रभावित इलाकों से समाचार एकत्र करने के इच्छुक विदेशी मीडिया के पत्रकारों को विभाग की ऑनलाइन सेवा के माध्यम से प्रेस मान्यता और पत्रकार पहचान पत्र के लिए आवेदन करना होगा। यह नोटिस तीन सितंबर को जारी किया गया था।

प्रेस पहचान पत्र साथ रखना होगा। उन्हें सुरक्षा एवं बचावकर्मियों द्वारा जारी निर्देशों का पालन करना होगा, निर्धारित मार्गों और आवाजाही पर लगाए गए प्रतिबंधों का पालन करना होगा तथा जरूरत पड़ने पर प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षित स्थानों पर जाने के आदेशों का पालन करना होगा।

राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय खबरें

जेन-जी आंदोलन को किसने हाईजैक किया? विभिन्न राजनीतिक दलों पर मायावती का आरोप

बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने (X) पर पोस्ट कर जेन-जी आंदोलन को लेकर राजनीतिक दलों पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि देश में कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनके कारण लोगों को लग रहा है कि युवाओं, बेरोजगारों और अन्य लोगों के ज्वलंत मुद्दों को संबोधित करने वाला CJP का जेन-जी आंदोलन विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा हाईजैक कर लिया गया है. उनके मुताबिक, जंतर-मंतर आंदोलन के दौरान युवाओं और छात्रों को जो बड़े सप्पने दिखाए गए थे, वह आंदोलन अब स्वतंत्र रहने के बजाय अधिक राजनीतिक होता जा रहा है और गंभीर संदेह में घिर गया है.
 जेन-जी और जेन-अल्फा की मांगों पर BSP का रुख- मायावती ने कहा कि BSP को हमेशा जेन-जी और जेन-अल्फा की आवश्यक मांगों के प्रति पूरी सहानुभूति और चिंता रही है. उन्होंने BSP की सभी राज्य इकाइयों

को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने राज्यों और क्षेत्रों में संबंधित अधिकारियों से मिलें और युवाओं की समस्याओं का शांतिपूर्ण तरीके से समाधान करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम करें.
 चुनाव के लिए ताकत और ऊर्जा बचाने की अपील-मायावती ने कहा कि BSP के अनुशासन के अनुसार पार्टी के सदस्य धरना, विरोध या आंदोलनों में शामिल नहीं होंगे. इसके बजाय वे चुनाव के लिए अपने शरीर, मन और संसाधनों की ताकत तथा ऊर्जा बचाकर रखेंगे. उन्होंने कहा कि BSP ‘सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय’ के आधार पर सरकार बनाकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के सपनों को साकार करने का प्रयास करेगी. साथ ही जेन-जी जेन-अल्फा और समाज के सभी वर्गों की समस्याओं का स्थायी समाधान निकालने की बात कही. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में BSP की चार सरकारों के जरिए इसे दिखाया जा चुका है.



उष्णकटिबंधीय चक्रवात सौडेल के कारण हुई मूसलाधार बारिश के बाद सुइचुआन काउंटी में हुआ तड़के भूस्खलन

बीजिंग।उष्णकटिबंधीय चक्रवात सौडेल के कारण कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के बाद पूर्वी चीन में भूस्खलन हुआ, जिसमें कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 10 लोग लापता हैं। सरकारी मीडिया ने रविवार को बताया कि भूस्खलन में करीब 12 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। अधिकारियों ने एक बयान में बताया कि शनिवार तड़के जियांग्ग प्रांत के सुइचुआन काउंटी के एक गांव के एक हिस्से में भूस्खलन हुआ। घटना की सूचना मिलते ही बचावकर्मों मौके पर पहुंचे और आगे के खतरे को देखते हुए स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि मलबे से निकाले गए एक व्यक्ति को मृत पाया गया, जबकि दो अन्य लोगों को जीवित बाहर निकाल लिया गया। दोनों की हालत ठीक बताई



गई है। सरकारी प्रसारक ‘सीसीटीवी’ ने बताया कि रविवार सुबह बचावकर्मियों ने लापता लोगों में से एक को दृढ़ निकाला हालांकि उसकी मौत हो चुकी थी। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी ‘शिनहुआ’ के अनुसार, चक्रवात सौडेल ने 28 अगस्त को झेजियांग प्रांत में दो बार दस्तक दी थी। इसके बाद बृहस्पतिवार को यह फुजियान प्रांत में उष्णकटिबंधीय तूफान

के रूप में तीसरी बार तट से टकराया। झेजियांग और फुजियान, दोनों जियांग्ग के पड़ोसी प्रांत हैं। ‘शिनहुआ’ के अनुसार, फु जियान में स्थानीय अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि कई दिनों से जारी भारी बारिश के बाद कई लोग लापता हैं। लापता लोगों की सटीक संख्या स्पष्ट नहीं है, लेकिन पुतियान शहर के हुआलिंग हवाई में 100 से अधिक मकान ढह गए हैं।
 ‘शिनहुआ’ ने बताया कि बृहस्पतिवार दोपहर एक तटबंध के ऊपर से पानी बहने लगा और बाद में वह टूट गया, जिससे कई गांवों में बाढ़ आ गई और लोग वहां फंस गए। समाचार एजेंसी के अनुसार, शुक्रवार रात तक फुजियान में समुद्र के पास और जमीन पर स्थित जोखिम वाले इलाकों से करीब छह लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका था।

पाकिस्तान की आर्थिक मजबूती पर लोगों का भरोसा और हुआ कम बिजली की बढ़ती कीमत ने तोड़ी जनता की कमर

इस्लाम । एक सर्वे में पता चला है कि पाकिस्तान की आर्थिक मजबूती पर लोगों का भरोसा और कम हो गया है; अब सिर्फ 14 प्रतिशत लोग ही अर्थव्यवस्था को मजबूत मानते हैं। ‘द एक्सप्रेस ट्रिब्यून’ के मुताबिक, पिछली तिमाही के मुकाबले आर्थिक मजबूती को लेकर लोगों की राय में छह प्रतिशत अंकों की गिरावट आई है। लोगों की चिंताओं में आर्थिक दबाव सबसे ऊपर बना हुआ है। देश के लिए महंगाई सबसे बड़ी चिंता है, इसके बाद बेरोजगारी, गरीबी और बिजली की बढ़ती कीमतें आती हैं। बिजली कटौती (लोड-शेडिंग) अब एक बड़ी चिंता के तौर पर अतिरिक्त टैक्स से आगे निकलकर पांचवें स्थान पर आ गई है। इस्लाम के अनुसार, बिजली की कीमतों को लेकर चिंता नौ प्रतिशत अंक बढ़कर 35 प्रतिशत हो गई है, जबकि गरीबी को लेकर चिंता में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।
 ईंधन की बढ़ती कीमतों ने परिवारों पर दबाव बढ़ा दिया है। दुनिया भर में तेल की बढ़ती कीमतें, टैक्स



और इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड के साथ सरकार के समझौतों की वजह से पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं; पेट्रोल पर टैक्स 116 छक्का प्रति लीटर तक पहुंच गया है। टोला एसोसिएट्स ने पाया कि पाकिस्तान की करेंसी की कीमत गिरने के बावजूद, डॉलर के हिसाब से वहां पेट्रोल और डीजल की कीमतें दक्षिण एशिया में सबसे ज्यादा

के तरीके पर लोगों का भरोसा भी कमजोर है। पाकिस्तान के सिर्फ एक-तिहाई लोग मानते हैं कि अधिकारियों ने ईंधन की उपलब्धता ठीक से सुनिश्चित की है, जबकि पांच में से दो लोग ईंधन की कीमतों के मैनेजमेंट को बेअसर मानते हैं। आर्थिक भरोसा भी इसी तरह कमजोर है। सिर्फ 15 प्रतिशत लोगों ने निवेश करने को लेकर भरोसा जताया, जबकि सिर्फ 16 प्रतिशत लोगों को अपनी नौकरी को लेकर सुरक्षा का एहसास हुआ। पाकिस्तान के सिर्फ एक-चौथाई लोग मानते हैं कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।
 ‘द एक्सप्रेस ट्रिब्यून’ की रिपोर्ट के मुताबिक, बलूचिस्तान में सबसे ज्यादा 31 प्रतिशत लोग आशावादी थे, जबकि पंजाब में 26 प्रतिशत, सिंध में 21 प्रतिशत और खैबर-पख्तूनख्वा में सिर्फ 14 प्रतिशत लोग आशावादी थे। ‘द एक्सप्रेस ट्रिब्यून’ की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लाम पाकिस्तान के मैनेजिंग डायरेक्टर अब्दुल सत्तार ने तीसरी तिमाही को "सावधानी के साथ सुधार" का दौर बताया।

सीपियां कहां से आती हैं?

समुद्री जीव अपनी मसल्स जोड़ते हैं। कुछ मोलस्क, जैसे कि स्कैलप, अपनी ताकतवर मसल्स का इस्तेमाल करके तैर भी सकते हैं, ताकि वे अपने शेल बनाने वाले दो वाक्य को जोर से



फ़ड फ़ड।
 सके। दूसरे समुद्री जीव अपने शेल से जुड़ी मसल्स का इस्तेमाल करके खुद को तेजी से मिट्टी में दबा लेते हैं। अलग-अलग तरह के जीव समुद्री जीवन का मजा हैं।
 शेल बनाने के प्रोसेस को बायोमिनरलाइजेशन कहते हैं। समुद्री जानवर अपने शेल कैसे बनाते हैं, यह अलग-अलग स्पीशीज के हिसाब से बहुत अलग हो सकता है, लेकिन इन सभी जानवरों के शेल बनाने के लिए खास टिश्यू होते हैं, ठीक वैसे ही

जैसे इंसानों के पास अपनी हड्डियों को बढ़ाने और मजबूत करने के लिए खास टिश्यू होते हैं। ज्यादातर समुद्री जानवर अपने शेल कैल्शियम कार्बोनेट से बनाते हैं, जो एक मजबूत मिनरल है जो लाइमस्टोन में भी पाया जाता है। कुछ स्पंज और माइक्रोऑर्गेनिज्म एक और कंपाउंड सिलिका का इस्तेमाल करते हैं। बैक्टियोपोइस का एक ग्रुप ऐसा भी है जो कैल्शियम फॉस्फेट का इस्तेमाल करके शेल बनाता है,
 जिस का इस्तेमाल हम अपनी शेल में कम रेडियोकार्बन होते हैं, और हम साइट्रेट्स इसी बात के आधार पर उनकी उम्र का अंदाजा लगा सकते हैं। इस प्रोसेस ने हमें और दूसरे रिसर्चर्स को दुनिया भर के मांसन बीच और समुद्र के नीचे से इक्कड़ किए गए हजारों शेल की तारीख पता लगाने में मदद की है। हमने पाया कि उनमें से कई शेल सैकड़ों या हजारों साल पुराने हैं।

अलग-अलग होते हैं।
 हड्डियों की तरह, सीप भी बहुत लंबे समय तक चल सकते हैं। मरे हुए जानवरों के सीप लहरों और लहरों से घेर-उधर होते हैं। कई आखिर में किनारे पर बहकर आ जाते हैं। दूसरे सीप समुद्र तल के नीचे दब जाते हैं। दबाव और समय के साथ, दबी हुई समुद्र तल की मिट्टी चढ़ान बन जाती है, और सीप फॉसिल में बदल जाते हैं। असल में, सीप सबसे आम तरह के फॉसिल में से हैं जो नगी आँखों से देखने लायक बड़े होते हैं। जब किसी अनुभवी शिकारी को जंगल में कोई हड्डी मिलती है, तो वे तुरंत जान जाते हैं कि यह हिरण, खरगोश या जंगली सुअर की है। इसी तरह, जब किसी सीप एक्सपर्ट को कोई सीप मिलती है, तो वे आपको बता सकते हैं कि वह किस समुद्री जीव की है।
 सीप हमें क्या सिखा सकते हैं समुद्री जीवों की इतनी ज्यादा संख्या के अलावा, सीपों के इतने ज्यादा होने का एक और कारण यह है कि वे बहुत लंबे समय तक चलते हैं। हमारी रिसर्च में, हम यह पता लगाने के लिए कार्बन डेटिंग नाम के एक प्रोसेस का इस्तेमाल करते हैं कि कोई सीप कितना पुराना है। मोलस्क और कई दूसरे जानवर अपना शेल बनाने के लिए कैल्शियम, कार्बन और ऑक्सीजन का इस्तेमाल करते हैं। कार्बन तीन तरह का होता है जिसे आइसोटोप कहते हैं और उनमें से एक, जिसे रेडियोकार्बन कहते हैं, अनस्टेबल होता है। जैसे-जैसे शेल पुराना होता है, उसका रेडियोकार्बन एक जैसी दर से कम होता जाता है। पुराने शेल में कम रेडियोकार्बन होता है, और हम साइट्रेट्स इसी बात के आधार पर उनकी उम्र का अंदाजा लगा सकते हैं। इस प्रोसेस ने हमें और दूसरे रिसर्चर्स को दुनिया भर के मांसन बीच और समुद्र के नीचे से इक्कड़ किए गए हजारों शेल की तारीख पता लगाने में मदद की है। हमने पाया कि उनमें से कई शेल सैकड़ों या हजारों साल पुराने हैं।

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 58 RNI/CHHBIL/44259

छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

COMPU WORLD
The Complete Computer Shop

CONTACT US:-
Phone : 0788-4060844, 4083358
Cell No. : 9300226476, 9186157570, 9826169140
Email : revikidukan@gmail.com
16/21, Dakshin Gangotri, Circus Ground Road, Supela (C.G.)
154-156, Akash Ganga, Supela, Bhilai (C.G.)

संक्षिप्त समाचार

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को शानदार जीत पर दी बधाई

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने महिला एशिया कप 2026 में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज करने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की यह जीत केवल एक मैच की जीत नहीं, बल्कि हमारी बेटियों की मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की जीत है। टीम ने शानदार खेल भावना और बेहतरीन प्रदर्शन के साथ देशवासियों को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का लगातार शानदार प्रदर्शन देश की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है। खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण यह संदेश देता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। मंत्री श्री चौधरी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सभी खिलाड़ियों को भविष्य के मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश को अपनी बेटियों पर गर्व है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि टीम आगे भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का मान बढ़ाएगी।



प्रदेश के शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार मिलने पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने दी बधाई

शिक्षक दिवस के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से छत्तीसगढ़ के शिक्षकों को 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026' से सम्मानित किए जाने पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने हार्दिक बधाई एवं विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने के साथ प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 से सम्मानित शिक्षकों की उपलब्धि प्रदेश के अन्य शिक्षकों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

जो खेलेगा, वही खिलेगा... खेल प्रतिभाओं को तराशने और आगे बढ़ाने प्रतिबद्ध है सरकार : अरुण साव

-राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री -प्रदेशभर 845 खिलाड़ियों और 150 से अधिक ऑफिशियल्स ने की भागीदारी -बिलासपुर संभाग बना ओवरऑल चैंपियन रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत इन प्रतिभाओं को पहचानने, तराशने और उन्हें आगे बढ़ने के बेहतर अवसर प्रदान करने की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने आज बिलासपुर में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए ये बातें कही।



उप मुख्यमंत्री श्री साव ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल के मैदान में संघर्ष करने और पसीना बहाने वाले खिलाड़ी ही सफलता की नई ऊंचाइयों को छूते हैं। जो खेलेगा, वही खिलेगा। आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खेल और खिलाड़ियों के विकास को विशेष प्राथमिकता दे रहे हैं। खेलों इंडिया के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भी खेल और खिलाड़ियों की बेहतरी के लिए लगातार कार्य कर रही है। राज्य में बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक का आयोजन किया गया है। छत्तीसगढ़ को खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गैम्स की मेजबानी का अवसर भी मिला है। राज्य सरकार ने बंद हो चुके खेल अलंकरण को पुनः

प्रारंभ करने के साथ ही उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की है। श्री साव ने बताया कि हाल ही में 29 अगस्त को राज्य सरकार द्वारा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप एक करोड़ 74 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई है। अब्दुल के अंतिम साहस में छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष योजना के अंतर्गत इस वर्ष के बजट में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके माध्यम से खेलों के विकास के साथ ही स्पोर्ट्स साइंस और खेल अर्थोसंरचना को भी मजबूत किया जाएगा। 3800 अंकों के साथ बिलासपुर बना ओवरऑल चैंपियन 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों के 845 खिलाड़ियों एवं 150 से अधिक ऑफिशियल्स ने भाग लिया। चार दिवसीय प्रतियोगिता में बेसबॉल, तैराकी और वाटर पोलो की

स्पर्धाएं आयोजित की गईं। बिलासपुर संभाग ने सभी प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए 3800 अंकों के साथ ओवरऑल चौपिन का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता का आयोजन बिलासपुर के संजय तरण पुष्कर एवं छत्तीसगढ़ स्कूल खेल मैदान में किया गया। समापन समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और अन्य अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया। शिक्षा के साथ खेल भी जरूरी : विधायक अमर अग्रवाल बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि जीवन बहुआयामी है। शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रहना भी आवश्यक है, जिसमें खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के विकास के लिए बनाई गई नीतियों का परिणाम है कि आज भारतीय खिलाड़ी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार ने खेलों के लिए आधारभूत अर्थोसंरचना विकसित करने का कार्य किया है। खेल की प्रतिस्पर्धा भविष्य को बनाती है उज्ज्वल : विधायक भरगलाल कौशिक बिल्हा विधायकधरमलाल कौशिक ने कहा कि खेल के माध्यम से छत्तीसगढ़ को नई पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा है और खेल के मैदान में होने वाली प्रतिस्पर्धा खिलाड़ियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाती है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल के क्षेत्र में अपने परिवार, प्रदेश और देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण समारोह- वन मंत्री केदार कश्यप ने सेवानिवृत्त शिक्षकों और शिक्षा दूतों को किया सम्मानित

शिक्षक दिवस के अवसर पर नारायणपुर के ए.जी. ऑडिटोरियम में मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण सम्मान समारोह का आयोजन भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता तथा संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप और राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर उपस्थित रहे। अनुशासन और संस्कारों से ही मिलती है सफलता : केदार कश्यप वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अनुशासन, संस्कार, धैर्य और संकल्प के साथ शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने परिवार



को पहली पाठशाला बताते हुए कहा कि माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान करना हमारी संस्कृति का मूल आधार है। विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्होंने मोबाइल फ़ोन का उपयोग केवल पढ़ाई और ज्ञानवर्धक गतिविधियों के लिए करने तथा इसके दुरुपयोग से बचने की सलाह दी। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके साथ सेल्फी भी ली।

राज्यपाल रमेन डेका 'द्रोणाचार्य संगम-2026' में हुए शामिल कक्षा-समय का सदुपयोग और परिश्रम ही सफलता की कुंजी

शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षक हुए सम्मानित रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका शिक्षक दिवस के अवसर पर एसईसीएल-डीएवी पब्लिक स्कूल, वसंत विहार, बिलासपुर में आयोजित 'द्रोणाचार्य संगम-2026' में शामिल हुए। इस अवसर पर शिक्षकों के उत्कृष्ट योगदान का सम्मान किया गया तथा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। इंटरनेट और तकनीक का सदुपयोग करते हुए युवा सही दिशा में आगे बढ़े- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि समय का सही उपयोग जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज का दौर इंटरनेट और तकनीक का दौर है तथा बच्चे तेजी से एक ऐसी दुनिया में बड़े हो रहे हैं, जहां ज्ञान और सूचनाएं आसानी से उपलब्ध हैं।



ऐसे में बच्चों और युवाओं को समय का सदुपयोग करते हुए सही दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कार एवं मूल्यों का समावेश भी आवश्यक- राज्यपाल ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद देश के शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि पुराने समय

में गुरुकुल परंपरा के माध्यम से गुरु विद्यार्थियों को शिक्षा और संस्कार प्रदान करते थे। समय के साथ शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हुए हैं और आज आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कार एवं मूल्यों का समावेश भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि परिश्रम करने वालों को निश्चित रूप से सफलता मिलती है। जीवन में निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए और चुनौतियों से घबराना नहीं चाहिए। देशभक्ति और संस्कारों के महत्व पर जोर राज्यपाल ने वरिष्ठ नागरिकों से भी जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ जीने की अपील की। उन्होंने कहा कि जीवन में जो कुछ मिला है, उसके प्रति संतोष और कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए तथा वर्तमान में रहकर जीवन का आनंद लेना चाहिए। उन्होंने देशभक्ति और संस्कारों के महत्व पर जोर दिया।

खेत बना आय का केंद्र, नवाचार ने बदली खेती की तस्वीर

-युवा किसान अंकित लकड़ा ने मछली पालन, मुर्री पालन और बागवानी को जोड़कर तैयार किया एकीकृत कृषि मॉडल -प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से मिली 8 लाख रुपये की अनुदान सहायता, दो तालाबों में मछली पालन के साथ 1,000 से 1,200 मुर्रियों का कर रहे पालन रायपुर। खेती में बदलाव केवल नई तकनीक से नहीं, बल्कि नई सोच से भी आता है। जशपुर जिले के ग्राम रतबा के युवा किसान अंकित लकड़ा ने इस बात को अपनी मेहनत और नवाचार से साबित किया है। कभी केवल बारिश के भरोसे

धान की खेती करने वाले अंकित ने आज अपने खेत को मछली पालन, मुर्री पालन, बागवानी और बहुप्रसूती खेती से जोड़कर आय के कई स्रोत तैयार कर लिए हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किसानों को कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय के अवसर बढ़ाने के लिए संचालित योजनाओं का लाभ अंकित को भी मिला है। योजनाओं से मिली सहायता और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने पारंपरिक खेती को आधुनिक और बहुआयामी कृषि मॉडल में बदलने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

समय का सदुपयोग और परिश्रम ही सफलता की कुंजी : राज्यपाल डेका

'द्रोणाचार्य संगम-2026' में शिक्षकों को किया सम्मानित रायपुर। शिक्षक दिवस पर एसईसीएल-डीएवी पब्लिक स्कूल, वसंत विहार, बिलासपुर में आयोजित 'द्रोणाचार्य संगम-2026' में शामिल हुए। इस अवसर पर शिक्षकों के उत्कृष्ट योगदान का सम्मान किया गया तथा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया।



कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल डेका ने कहा कि समय का सही उपयोग जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज का दौर इंटरनेट और तकनीक का दौर है तथा बच्चे तेजी से एक ऐसी दुनिया में बड़े हो रहे हैं, जहां ज्ञान और सूचनाएं आसानी से उपलब्ध हैं। ऐसे में बच्चों और युवाओं को समय का सदुपयोग करते हुए सही दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद देश के शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि पुराने समय में गुरुकुल परंपरा के माध्यम से गुरु विद्यार्थियों को शिक्षा और संस्कार प्रदान करते थे। समय के साथ शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हुए हैं और आज आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कार एवं मूल्यों का समावेश भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि परिश्रम करने वालों को निश्चित रूप से सफलता मिलती है। जीवन में निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए और चुनौतियों से घबराना नहीं चाहिए।

राज्यपाल ने वरिष्ठ नागरिकों से भी जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ जीने की अपील की। उन्होंने कहा कि जीवन में जो कुछ मिला है, उसके प्रति संतोष और कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए तथा वर्तमान में रहकर जीवन का आनंद लेना चाहिए। उन्होंने देशभक्ति और संस्कारों के महत्व पर जोर दिया। बच्चों में देशभक्ति की भावना विकसित होने से देश को जागरूक और राष्ट्रभक्त

नागरिक मिलेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के निर्माण में परिवार और शिक्षकों दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को पढ़ाने का कार्य नहीं करते, बल्कि समाज को शिक्षित और जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इस अवसर पर आयोजित 'द्रोणाचार्य संगम-2026' में शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित शिक्षकों के समर्पण और उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में एसईसीएल और डीएवी के बीच शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित सहयोग और साझेदारी को भी महत्वपूर्ण बताया गया। 'द्रोणाचार्य संगम-2026' शिक्षकों के सम्मान, उनके अनुभवों के आदान-प्रदान और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में संभागायुक्त सुनील जैन, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसईसीएल के डायरेक्टर बिरेंजी दास, हिमांशु जैन, एसईसीएल के अन्य अधिकारी-कर्मचारी, डीएवी प्रबंधन, विभिन्न प्रोजेक्ट स्कूलों के प्रतिनिधि, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं नागरिक उपस्थित थे।

A Complete Family Garden Restaurant
Dhillon Chicken
Indian Chinese Tandoor
Garden Lawn Family Restaurant, Separate Family A.C. Room
VEG & NON-VEG
•Marriage & Birthday Party
•Party Catering •Party Lawn
•Door to Door Catering
New Opening at
Chopati Civic Centre Bhilai
Near Chandulal Chandrakar Hospital, Nehru Nagar Chowk, Bhilai (C.G.)
Mob: 9302401912, 9301999211
Ph: 0788-4011912